मार्च 2026

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

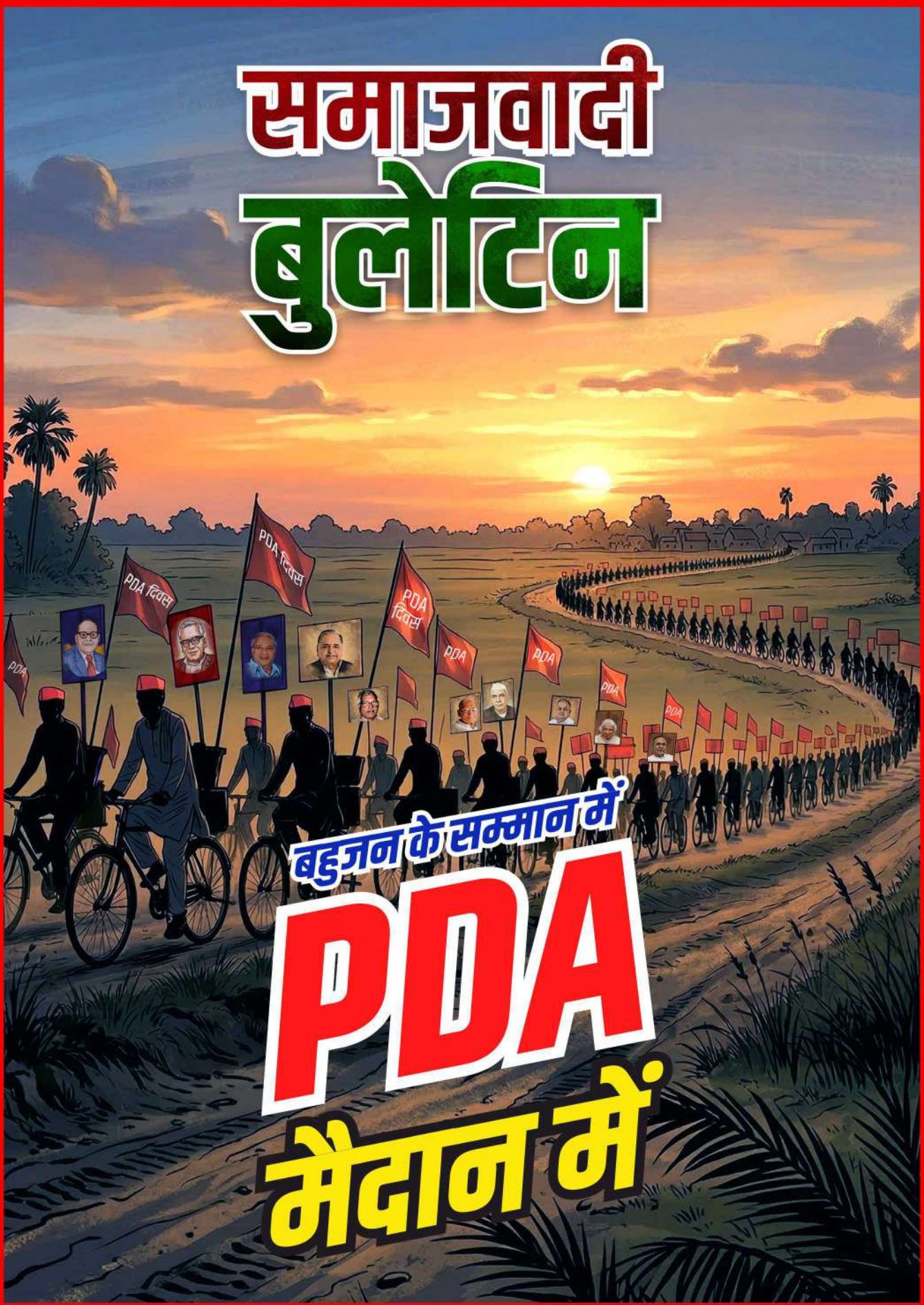

R.N.I. No. 68832/97

www.samajwadiparty.in

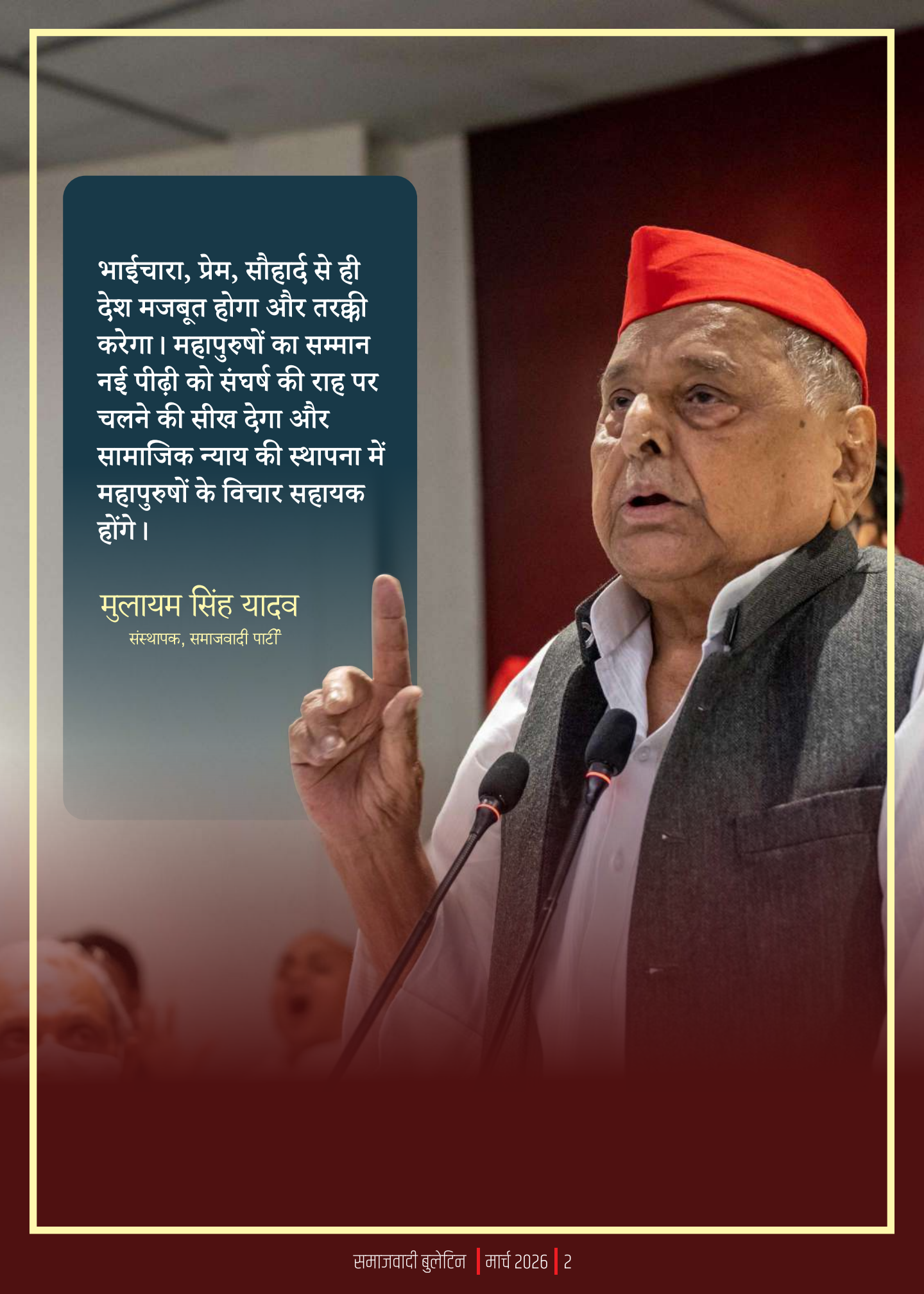

भाईचारा, प्रेम, सौहार्द से ही देश मजबूत होगा और तरक्की करेगा। महापुरुषों का सम्मान नई पीढ़ी को संघर्ष की राह पर चलने की सीख देगा और सामाजिक न्याय की स्थापना में महापुरुषों के विचार सहायक होंगे।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

मार्च 2026

वर्ष 27 | संख्या 05

PDA काव्य विचार

PDA दिवस की महिमा गाएंगें
महापुरुषों के संदेशे फैलाएंगे
सामाजिक न्याय लाएंगे।
समानता का फैलाएंगे संदेश,
महापुरुषों को देंगे सम्मान,
यही चाहते हैं अपने अखिलेश॥

उदय प्रकाश
चंदौली

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

दुनिया को बेहतर बनाना ही क्रिएटिविटी: अखिलेश

06

10 कवर स्टोरी **बहुजन के सम्मान में PDA मैदान में**

रसोई गैस की किल्लत ने भाजपा सरकार की पोल खोल दी 20

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की बात आखिरकार सच साबित हुई कि भाजपा सरकार विदेश नीति में भी फेल है। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के युद्ध से उपजे हालात से भारत में रसोई गैस की भारी किल्लत हो गई है।

अखिलेश को मिला शंकराचार्य का आशीर्वाद 44

सौहार्द के रंग: होली और रमजान संग-संग 42

आज की कविता

उदय प्रताप सिंह

पहरेदारों का दावा है सुबह हो गई,
जन जन का यह मत है तम बढ़ता जाता है।

जाने कैसे लोग इसे कहते आज़ादी
जिसको देखो वही दास रहने का आदी
दीपक बत्ती अलग-अलग रखे जाते हैं
बात रोशनी की करने वाला अपराधी।

जितना जितना सहलाया जाता है तन को
उतना उतना मन में भ्रम बढ़ता जाता है
पहरेदारों का दावा है सुबह हो गई
जन जन का यह मत है तम बढ़ता जाता है।

उस समाज की नौका ईश्वर पार लगाये
जहाँ अमावस पूनम को आँखें दिखलाये,
आदर्शों से इतना समझौता कर बैठे
आदर को पैबंद लगा कपड़े पहनाए।

बातचीत में उचित व्यवस्था का आयोजन
चाल चलन में अनुचित क्रम बढ़ता जाता है,
पहरेदारों का दावा है सुबह हो गई
जन जन का यह मत है तम बढ़ता जाता है।

संख्या उनकी अधिक,कि जो आमादा इस पर
घर की किरण न जाने देंगे घर के बाहर,
गलियों में प्रकाश के हामी चुप बैठे हैं
अधिक कहो तो मत संग्रह करने को तत्पर।

घर में चकाचौंध के मारे दीख न पड़ता
अंधों का संगम बढ़ता जाता है,
पहरेदारों का दावा है सुबह हो गई
जनता का यह मत है तम बढ़ता जाता है।

कुछ का यह प्रयास है वे रावण बन पायें
सूरज चांद सितारों पर प्रतिबंध लगायें,
जग-मग हो उनका घर जग,मग में अंधियारा
लेकिन तुम को एक बात हम भी बतलायें।

निशाचरों का दास सबेरा हुआ न होगा
हां, इतना है कवि का श्रम बढ़ता जाता है,
पहरेदारों का दावा है सुबह हो गई
जनता का यह मत है तम बढ़ता जाता है॥

दुनिया को बेहतर बनाना ही क्रिएटिविटी

- अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में 15 मार्च को आयोजित विजन इंडिया समिट में क्रिएटिव इकोनामी विषय पर विशेषज्ञों व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विस्तार से विचार रखे। श्री अखिलेश यादव ने इस समिट में अन्य पहलुओं के साथ ही इंसानियत को सबसे अधिक तवज्जो देने पर सारगर्भित विचार रखे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इंसान, इंसानियत और दुनिया को जो बेहतर बनाए वही क्रिएटिविटी है। आज इंसानियत और दुनिया को बेहतर बनाने की जरूरत है। जो पॉजिटिविटी बढ़ाए, इक्वलिटी लाए, वह क्रिएटिविटी है, जो कन्सट्रक्टिव माइंडसेट क्रियेट करे, वह क्रियटिविटी है।

उन्होंने कहा कि नोएडा में सैमसंग का बड़ा प्लांट लगा। क्रिएटिविटी से पॉजिटिविटी आती है। पाॅजिटिविटी उम्मीद जगाती है। अच्छे बदलाव से प्रोग्रेस संभव है। क्रियेटिव इकोनॉमी डिस्ट्रिक्ट इकॉनमी की अपेक्षा

लांग टर्म बेस बनती है। क्रिएटिविटी जन्म और जाति का भेदभाव नहीं रखती है। इससे व्यक्ति का टैलेंट सामने आता है, जब वह कंट्रीब्यूट करता है तो इकॉनमी अपने आप बढ़ती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सस्टेनबिलिटी और ह्यूमनिटिली सबसे बड़ा पहलू है, वह आये तो क्रिएटिविटी है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मुम्बई बड़ा शहर है। यह देश की आर्थिक राजधानी तो है ही साथ ही क्रिएटिविटी की भी राजधानी है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी छोटा सा बदलाव बड़ी योजना तैयार कर देता है।

महाकुंभ का उदाहरण देते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब महाकुंभ लगता है तो पूरा का पूरा शहर नए सिरे से बनता है। फिर कुंभ खत्म होने के बाद हट जाता है। वहां कल्पवासी आते हैं, लकड़ी से खाना बनाते हैं, कई बार आग लग जाती है। बड़ा नुकसान हो जाता है लेकिन अगर गैस सिलेंडर को बालू के अंदर रख कर खाना बनाया जाए तो आग लगने की बड़ी समस्या से बचा जा सकता है। यह छोटा सा रिफार्म है लेकिन इसका असर बड़ा होता है। इसी तरह से समाजवादी पार्टी सरकार के समय फैसला लिया गया कि ग्रीन बेल्ट तैयार करने के दौरान पेड़ लगाते समय विभाग का मंत्री या विभागाध्यक्ष पहला पेड़ नहीं लगाएगा, जब सब पेड़ लग जाएंगे, पूरी ग्रीनबेल्ट तैयार हो जाएगी तो आखिरी पेड़ विभाग का अध्यक्ष लगाएगा। इससे फॉरेस्ट बढ़ाने के लिए उस समय जो रिपोर्ट आई उससे वनावरण बढ़ गया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में समाजवादी सरकार ने ब्रिटिश बर्ड फेस्टिवल की तर्ज पर बर्ड फेस्टिवल कराया। इससे भारत के साथ दुनिया के बर्ड फेस्टिवल विशेषज्ञ शामिल हुए। इसी तरह से लाइव एण्ड शो म्यूजिक शुरू किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जबसे डिजीटल रिवोल्यूशन आया तबसे क्रिएटिव रिवोल्यूशन भी शुरू हुआ। समाजवादी सरकार ने 20 लाख छात्रों को लैपटॉप दिया, इससे बड़ा बदलाव आया। पहले समाजवादी पार्टी को सिर्फ गांवों की पार्टी माना जाता था लेकिन समाजवादी पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में लैपटॉप वितरण को शामिल किया।

जब हमारा घोषणा पत्र आया तो अगले दिन अखबारों की हेडलाइन में लैपटॉप मुख्य खबर रही। उस समय जो लैपटॉप वितरण हुआ, उस पर कोई उंगली नहीं उठा। आज भी कई बच्चे मिलते हैं, बताते हैं कि लैपटॉप चल रहा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा लैपटॉप वितरण था।

स्किल डेवलपमेंट पर विचार रखते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के दौरान कन्नौज के परफ्यूमरी पार्क को लेकर छात्रों को फ्रांस के ग्रासे शहर भेजा। बच्चे वहां से सीखकर आए, काम शुरू किया। देश में सबसे पहले स्किल डेवलपमेंट

की शुरूआत समाजवादी सरकार ने यूपी में की थी। समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान पौधारोपण, सड़कों के निर्माण समेत अन्य क्षेत्रों में छोटे-छोटे क्रिएटिव बदलाव किया, जिसे बड़ा लाभ हुआ।

समाजवादी सरकार में फिल्म निर्माण के लिए नीति बनाई गई। हम लोगों ने कई जगहों पर रंगों की जगह फूलों की होली का आयोजन किया। इससे बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में आने लगे। समाजवादी सरकार ने कलाकारों और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को यशभारती देकर उनका सम्मान किया। इसमें यूपी और यूपी से जुड़े कलाकारों और विशिष्ट लोगों को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने यशभारती सम्मान मुंबई में देकर शुरू किया था। समाजवादी सरकार में हमने यशभारती सम्मानित हस्तियों को 50 हजार रूपये महीने सम्मान राशि भी देनी शुरू की थी। उस समय हॉकी के कैप्टन रहे इंटरनेशनल प्लेयर ने कहा कि यशभारती सम्मान राशि खिलाड़ियों को भी मिलना चाहिए। हम लोगों ने छोटा सा बदलाव कर सम्मान दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे बनाया गया। उसके किनारे कृषि मंडिया बनाई गईं। कन्नौज में परफ्यूमरी पार्क बनाया गया। आलू मंडी बनाई गई। धान, गेहूं अन्य फसलों की मंडी बनाई गई, जिससे किसान को लाभ मिलता। एक्सप्रेस-वे पर ग्लास सिटी और औरैया के पास प्लास्टिक सिटी बनाना चाहते थे। पहले एक्सप्रेस-वे पर हर 50 किलोमीटर पर टोल होता था। लोगों को टोल पर लाइन में खड़े रहना पड़ता था। हर टोल पर आधा घंटा, एक घंटा समय खत्म हो जाता था। समाजवादी सरकार में पहली बार टोल एक्सप्रेस-वे के नीचे बनाया गया। इसका परिणाम रहा कि 3 2 3 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे पर कोई टोल सड़क पर नहीं बनाया गया। यह पहला एक्सप्रेस-वे है जिसका विद्युतीकरण सोलर से है। एक्सप्रेसवे के किनारे सर्विस लेन बनाया गया है इससे पहले किसी एक्सप्रेस-वे के किनारे सर्विस लेन नहीं होती थी।

जमीन के लिए किसानों के सुझाव मांगे। उनके हिसाब से डिजायन किया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे देश का पहला एक्सप्रेस-वे है जिस पर लड़ाकू विमानों के लिए हवाई पट्टी बनाई गई है। जिस पर जरूरत पड़ने पर लड़ाकू विमान उतर सकते

हैं। पहला एक्सप्रेस-वे है जो 19 महीने में ही बनकर तैयार हुआ। इस एक्सप्रेस-वे के बनने के बाद इंडियन रोड कांग्रेस ने अपने डिजायन को चेंज किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इसी तरह से समाजवादी सरकार ने शहरों में मेट्रो निर्माण के लिए कार्य किया। लखनऊ में सबसे तेजी से मेट्रो का निर्माण कार्य हुआ। लखनऊ शहर में गोमती नदी को साफ करने के लिए विश्वस्तरीय रिवरफ्रंट बनाया। उस पर ग्रीन बेल्ट बनाया। इसके साथ ही 1090 वूमेन पावर लाइन जैसे प्रोजेक्ट शुरू किए गए। इसकी सराहना सुप्रीम कोर्ट ने भी की।

समाजवादी सरकार ने इटावा में लायन सफारी बनाया। लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क बनाया, उसमें क्वालिटी के पेड़ लगाए गए। समाजवादी सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय, पुलिस हेड क्वार्टर बनाया। देश में कहीं भी ऐसा पुलिस हेडक्वार्टर नहीं है। हाईकोर्ट की मार्डन बिल्डिंग बनाई गई। इतना बड़ा हाईकोर्ट परिसर और किसी राज्य में नहीं है। पहली बार पुलिस के लिए मार्डन रिस्पांस सिस्टम बनाया। पुलिस को एक साथ एक हजार गाड़ी दी गई।

श्री यादव ने कहा कि यूपी में बहुत टैलेन्ट है। जो कई बार आधारभूत ढांचे और क्रियेटिविटी की कमी के कारण सामने नहीं आ पाता था। समाजवादी सरकार ने खिलाड़ियों के लिए पीपीपी पर स्पोर्टसिटी बनाया। लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाया। अब बच्चों को ट्रेनिंग मिल रही है। आईपीएल और अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच होते हैं। समाजवादी सरकार में निवेश लाने के लिए इन्डस्ट्री से समझकर नई औद्योगिक नीति बनाई गई। इन्डस्ट्री को इन्सेटिव दिया गया। लखनऊ में एचसीएल उसी समय आया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा लोग क्रिएटिव बने, कन्ट्रस्ट्रक्टिव बने इससे इकोनोमी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हैंडक्राफ्ट में क्रिएटिवी अर्थव्यवस्था में ऊंचाई पर ले जा सकते हैं। यूपी के विभिन्न जिलों में हैंडीक्राफ्ट के काम हैं। समाजवादी सरकार आने पर उनके लिए बड़े पैमाने पर काम किया जाएगा। विज़न इंडिया के कार्यक्रम में बॉलीवुड के लोकप्रिय कलाकार रितेश देशमुख ने भी अपने विचार रखे। जबकि कार्यक्रम के बाद श्री अखिलेश यादव की बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान से उनके आवास पर भेंट वार्ता हुई।

बहुजन के सम्मान में PDA मैदान में

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के आह्वान पर सपा ने 15 मार्च को पूरे उत्तर प्रदेश में मान्यवर कांशीराम जी की 92वीं जयंती को PDA दिवस के रूप में मनाते हुए उन्हें सादगी के साथ याद किया और श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मान्यवर कांशीराम के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने दलित चेतना को नया आयाम दिया। 15 मार्च को जिस तरह समाजवादी पार्टी ने गांव-गांव, शहर-शहर कार्यक्रम आयोजित किए और उसमें जन सहभागिता ने यह साफ संदेश दिया कि श्री अखिलेश यादव की नीति और नीयत बिल्कुल स्पष्ट है। वह कहने से ज्यादा करने में विश्वास रखने वाले नेता हैं। पीडीए दिवस पर उत्तर प्रदेश के सभी जिलों, विधानसभा क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। उनकी गाथा जन-जन तक पहुंचाई।

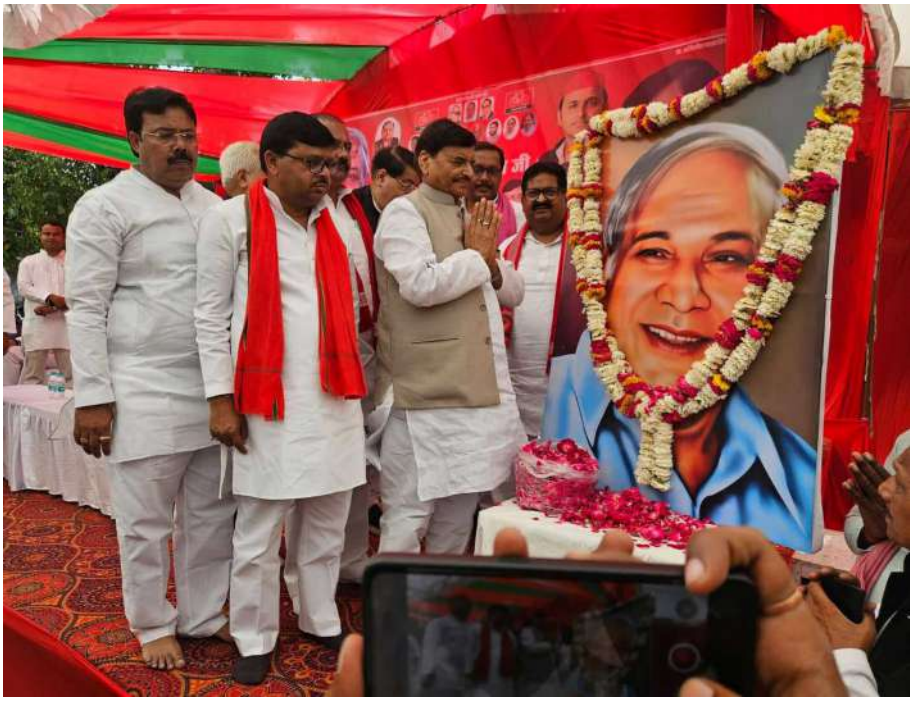

वर्चस्ववादी सोच वाले नेता व दल तो महापुरुषों को भुलाने में ही ऐतबार रखते हैं और धीरे-धीरे भुला भी बैठे हैं। इनमें वे लोग या दल भी शामिल हैं जिन्होंने महापुरुषों के दम पर ही सत्ता हासिल की लेकिन उनके सम्मान, शान का ख्याल नहीं रखा बल्कि उनपर अपना एकमात्र आधिपत्य समझ बैठे हैं जबकि श्री अखिलेश यादव का स्पष्ट मानना है कि महापुरुष किसी दल के नहीं बल्कि सबके दिल में होने चाहिए।

PDA दिवस के आयोजन की घोषणा करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा था कि 'पीडीए दिवस' एक नई शुरुआत है जो सांकेतिक रूप से पीडीए समाज के उन सभी महान व्यक्तियों को समर्पित है, जिन्होंने समाज के हर पीड़ित, दुखी, अपमानित के मान-सम्मान, उत्थान और बराबरी के लिए कभी भी, किसी भी वर्चस्ववादी का साथ नहीं दिया।

उन्होंने कहा था कि आज समस्त 'पीडीए समाज' इस निर्णय से हर्षित और प्रसन्न है कि मान्यवर कांशीराम जैसे अनेक पीडीए महापुरुषों के मिशन को सच में आगे बढ़ाने का संकल्प पुनर्जीवित किया जा रहा है और सच तो ये है कि वे सब भी अंदर-ही-अंदर बेहद खुश हैं, जो किसी मजबूरीवश अपना पक्ष स्पष्ट रूप से नहीं रख पा रहे हैं या वे कहने

पर मजबूर हैं जो वे कभी भी कहना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ज़रूरी नहीं क़लम जिसकी हो लफ़्ज़ भी उसी के हों।

श्री अखिलेश यादव ने कहा था कि हम जिन बड़ों का सम्मान करते हैं, उनसे सहानुभूति भी रखते हैं। हम अपने बड़ों और मुंहबोले संबंधों को सदैव मन से निभाते हैं। ऐतिहासिक तिरस्कार के कारण पीड़ा के एक सूत्र में बंधे 'हम सब एक ही हैं', हम सब पीडीए हैं क्योंकि हम सदैव कहते हैं, आज फिर कह रहे हैं, जो पीड़ित, वह पीडीए।

सपा मुखिया की उसी सोच को साकार करते हुए समाजवादी पार्टी ने पीडीए दिवस का आयोजन किया।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थित पार्टी कार्यालयों में पीडीए दिवस के रूप में सादगी से मनाई गई।

पार्टी मुख्यालय में मान्यवर कांशीराम के चित्र पर सांसद आरके चौधरी, पूर्व नेता विरोधी दल विधानसभा राम गोविन्द चौधरी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी सहित सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मान्यवर कांशीराम के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस कार्यक्रम के जरिये पीडीए समाज का श्री

मान्यवर कांशीराम ने बहुजनों को सम्मान दिलाया

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का मानना है कि मान्यवर कांशीराम भारतीय राजनेता और समाज सुधारक थे। उन्होंने भारतीय समाज में बहुजनों को सम्मानजनक स्थान दिलाया।

कांशीराम जी की जयंती के अवसर पर सपा मुखिया ने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने 1971 में बामसेफ और 1984 में बहुजन समाज पार्टी की स्थापना की। दलित भाइयों में आत्मसम्मान की भावना भरने में उन्होंने अथक प्रयास किए। राजनीति में उन्हें सम्मानजनक स्थान दिलाया। सरकारी नौकरियों में कार्यरत और दलित समाज के सम्पन्न तबके को जोड़कर उन्होंने बहुजन समाज की मदद का रास्ता निकाला।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कांशीराम और नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव के बीच गठबंधन से प्रदेश की राजनीति में दलित और पिछड़े वर्ग के बीच नए सम्बंध बने और राज्य में मिलीजुली सरकार बनी। समाजवादी पार्टी ने मान्यवर कांशीराम को इटावा से लोकसभा पहुंचाने का काम किया। समाजवादी पार्टी ने कांशीराम जी को हमेशा सम्मान दिया।

समाज के पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को पीडीए से मजबूती मिली है। पीडीए समाज को लम्बे समय तक सामान्य सुविधाओं से भी वंचित रखा गया। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में जो अधिकार नागरिकों को दिए उनसे एक बड़े तबके को वंचित रखने की साजिश भाजपा कर रही है। अब सभी ने एकजुट होकर पीडीए के रास्ते भाजपा को सत्ता से बेदखल करने का संकल्प कर लिया है।

अखिलेश यादव के नेतृत्व पर भरोसा और मजबूत हुआ है।

ऐसा नहीं है कि श्री अखिलेश यादव ने अचानक महापुरुषों को सम्मान देने का निर्णय ले लिया हो। श्री अखिलेश यादव की सोच में, काम करने के तरीके में और उसे अमली जामा पहनाने में भी महापुरुषों के लिए सम्मान होता है।

उल्लेखनीय है कि श्री अखिलेश यादव ने पीडीए का नारा दिया और दलितों, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों को एकजुट करते हुए लोकसभा चुनाव में पीडीए को उसकी ताकत का एहसास कराया। यह ताकत ही थी कि पीडीए ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को परास्त करते हुए समाजवादी पार्टी को 37 सीटें जिताकर देश की तीसरी बड़ी पार्टी बना दिया।

लखनऊ में सपा मुख्यालय पर हुए कार्यक्रम में पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा प्रो बी पाण्डेय, पूर्व विधायक राजेन्द्र यादव, पूर्व विधायक अंबरीश पुष्कर, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिक्षक सभा मणींद्र मिश्रा, जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी लखनऊ जयसिंह जयंत, पूर्व मंत्री सलाउद्दीन मुस्सन, विजय सिंह यादव, राम प्रकाश यादव, अनिल पासी, उमाशंकर वर्मा, राम अवतार धीमान, दुलीचंद यादव, अमरजीत सिंह महाराजगंज, नीतू यादव, विजयश्री गौतम, मालती यादव, रिंकी यादव, सत्येन्द्र रावत, संग्राम सिंह, बचान सिंह यादव, दिलीप यादव, अमित कुमार, बेगराज सिंह, बृजेश, रामवीर कठेरिया, हरेन्द्र यादव, पवन रावत, संदीप यादव, अनूप यादव, रविन्द्र सिंह, बृजलाल रावत, अर्जुन गौतम, राजकुमार गौतम, रामचंद्र गौतम, करन यादव, सतीश, सानू, विपिन यादव, सरदार नरेन्द्र सिंह छाबड़ा, विपिन साजन, अशर्फी धीमान, सूरज यादव, धारा सिंह यादव, वीरेन्द्र सिंह यादव, प्रवेश यादव, चन्द्रिका गौतम, विजय सिंह, निखिल कनौजिया, प्रमोद पाण्डेय पूर्व जिला महासचिव गोण्डा, मनोज पाल लखनऊ दीपक, अभय शंकर यादव, शुभम यादव चिनहट, प्रेम यादव, रवि वर्मा, अयान शेख, डीपी यादव, रामेन्द्र यादव, कुंवर अनुराग गाजीपुर, डॉ. मरगूब कुरैशी आदि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

PDA दिवस

अंबेडकर-लोहिया की विरासत का सम्मान

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

जब मान्यवर कांशीराम की एक मात्र उत्तराधिकारी सुश्री मायावती ने उनकी विरासत को भारतीय जनता पार्टी को सौंप दिया हो तो समाजवादी पार्टी द्वारा उनकी जयंती को पीडीए दिवस के रूप में मनाने से अधिक महत्वपूर्ण बात कुछ हो नहीं सकती।

ऐसा किया जाना डॉ भीमराव अंबेडकर और डॉ राम मनोहर लोहिया की विरासत को तो सम्मान देना है और साथ ही मुलायम सिंह यादव और कांशीराम की विरासत का भी आदर करना है। वैसे इस तरह का प्रयास तो 2019 के चुनाव में स्वयं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी किया था और बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर लोकसभा का चुनाव भी लड़ा था लेकिन सुश्री मायावती की राजनीतिक शैली देखकर लगता है कि उन्हें न तो कांशीराम की विरासत पर विश्वास है और न ही डॉ भीमराव अंबेडकर की। ऐसे में डॉ लोहिया की विरासत पर क्या ही विश्वास होगा।

मान्यवर कांशीराम की विरासत का स्मरण इसलिए आवश्यक है कि उन्होंने बहुजन समाज के हाथ में गुरुकिल्ली देने यानी सत्ता सौंपने का ऐसा अभियान चलाया जो कि आरक्षण से मिले हुए अधिकारों से भिन्न था। मान्यवर कांशीराम ने 1982 में पुणे से लेकर दिल्ली तक पदयात्रा निकालकर पूना समझौते का विरोध किया था।

उनका कहना था कि इस समझौते ने दलित समाज में समझौतावादी नेतृत्व विकसित किया जबकि डॉ अंबेडकर स्वतंत्र चेत्ता नेतृत्व चाहते थे। बाद में वे पूना समझौते की इस आधार पर आलोचना भी किया करते थे। कांशीराम ने इस समझौते के दुष्प्रभाव

पर चर्चा करते हुए 'चमचा युग' जैसी पुस्तक भी लिखी।

उसमें यही दर्शाया कि देश में आरक्षण व्यवस्था के तहत जो भी दलित नेतृत्व विकसित हुआ वह सवर्णों के प्रभुत्व वाली पार्टियों में अपनी बात खुलकर रख नहीं पाता इसलिए वे कहते थे कि हमें आरक्षण नहीं मांग रहे हैं बल्कि हम इसके आगे की राजनीति कर रहे हैं और हम सवर्ण समाज को आरक्षण देंगे क्योंकि हमारे बहुजन समाज की संख्या तो 85 प्रतिशत है।

वे जब जेब से कलम निकालकर उसे समतल अवस्था में रखते थे नए समाज का तसव्वुर सामने आता था। लेकिन आज उस पेन को फिर से खड़ा कर दिया गया है और समाज न सिर्फ आर्थिक असमानता में फंस गया है बल्कि जातिगत भेदभाव नए सिरे से तन कर खड़ा हो गया है। अब फिर से वर्णव्यवस्था को जीवित करने की बात हो रही है। मनुस्मृति को श्रेष्ठ ग्रंथ बताया जा रहा है और तमाम साधु संन्यासी समाज में विग्रह मचाने में लग गए हैं।

मान्यवर कांशीराम के इस एजेंडे ने उत्तर भारत और विशेषकर उत्तर प्रदेश की राजनीति का व्याकरण ही बदल दिया। उनकी राजनीति का प्रभाव यह था कि जो कांग्रेस पार्टी पूना समझौते की स्वर्ण जयंती मनाने की तैयारी कर रही थी वह पीछे हट गई। गांधी और अंबेडकर के दर्शन पर पूरे देश में नए सिरे से बहसें शुरू हो गईं और दोनों महान विचारकों के लेखन को फिर से पढ़ा और समझा जाने लगा।

उनकी राजनीति ने बहुजन समाज में सत्ता और समाज परिवर्तन के लिए नई चेतना का संचार किया और कांग्रेस पार्टी का लंबे समय से बनाया गया राजनीतिक समीकरण टूट गया। सवर्णों ने देखा कि जब उसके साथ दलित समाज नहीं है तो वे भाजपा की ओर खिसकने लगे। लेकिन मान्यवर कांशीराम के बहुजन आंदोलन का प्रभाव था कि थोड़े समय के लिए गठबंधन के सहारे भारत के प्रधानमंत्री हुए विश्वनाथ प्रताप सिंह को दस साल से बक्से में बंद मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करनी पड़ी।

मायावती बार बार मुख्यमंत्री जरूर बनीं लेकिन धीरे धीरे वे भाजपा के हाथ की कठपुतली हो गईं। अंत में आकर उन्होंने भाजपा की हिंदुत्व की धारा में अपनी पार्टी को रणनीतिक रूप से विलीन कर दिया। मान्यवर कांशीराम की विरासत के साथ किया गया यह सबसे बड़ा छल है

ध्यान देने की बात है कि मंडल आयोग की रिपोर्ट वह संधि बिंदु था जहां पर डॉ अंबेडकर और डॉ लोहिया की राजनीति एक दूसरे के करीब आती थी और उसी संकेत को पकड़कर मुलायम और कांशीराम ने राजनीतिक गठबंधन किया।

उन लोगों का मिलना और उससे उत्तर प्रदेश में हुए भयानक सांप्रदायिक उभार को रोकना एक ऐतिहासिक घटना है। कई विचारकों ने उसे सामाजिक क्रांति की संज्ञा दी। उसके नारे में उस समय बड़ा दम था। मिले मुलायम कांशीराम नारे ने पूरे प्रदेश की फिजां बदल दी। लगा कि फासीवादी राजनीति समाज में जातिगत श्रेष्ठता कायम करने में विफल रहेगी और भारत के लोकतंत्र को बचाया जा सकेगा।

लेकिन सुश्री मायावती की सत्ता की आकांक्षा की रेखा प्रतिक्रांतिकारी भाजपा की कुंडली से जा मिली। इन दोनों ने बहुजनों की उस सरकार के लिए निरंतर असहज स्थितियां पैदा कीं और वह सरकार एक वैचारिक और सामाजिक क्रांति का साधन बनने के बजाय सत्ता संघर्ष का केंद्र बन गई।

उस सरकार का गिरना और मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी का निरंतर भाजपा के करीब जाना दलित लोकतांत्रिक क्रांति और सामाजिक न्याय के अभियान के साथ किया गया सबसे बड़ा छल था। एक ओर समाज समाजवादी पार्टी में समय समय पर यकीन जता कर उस छल से लड़ता रहा तो दूसरी ओर भाजपा और मायावती की मुट्ठी में कैद होकर बहुजन समाज पार्टी उस छल की योजना को आगे बढ़ाती रही।

मायावती बार बार मुख्यमंत्री जरूर बनीं लेकिन धीरे धीरे वे भाजपा के हाथ की कठपुतली हो गईं। अंत में आकर उन्होंने भाजपा की हिंदुत्व की धारा में अपनी पार्टी को रणनीतिक रूप से विलीन कर दिया।

मान्यवर कांशीराम की विरासत के साथ किया गया यह सबसे बड़ा छल है। यह डॉ अंबेडकर और डॉ लोहिया की विरासत के साथ भी किया गया छल है। आज जब यूजीसी नियमावली के बहाने पूरे देश और समाज में तनाव और टकराव बढ़ रहा है और उस पर सुप्रीम कोर्ट के स्टे के बहाने वह और तेज हो गया है तब समाजवादी पार्टी के समक्ष वह दायित्व है कि वह समाज में सद्भाव

के साथ सामाजिक न्याय के कार्यक्रम को लागू करे।

समाजवादी पार्टी वैमनस्य नहीं चाहती लेकिन वह यह भी चाहती है कि समाज से जातिगत भेदभाव मिटे और विशेषकर वह उच्च शैक्षणिक संस्थानों में इतिहास की चीज बनकर रह जाए। वह चाहती है कि देश में न किसी रोहित बेमुला को आत्महत्या करनी पड़े, न ही किसी आदिवासी लड़की पायल ताड़वी को।

उसे पश्चिम बंगाल की युवती चुन्नी कोटाल की आत्महत्या की कहानी का भी स्मरण है जिसकी मृत्यु पर शैक्षणिक संस्थानों में भेदभाव का चरित्र उजागर हुआ था और महाश्वेता देवी समेत नागरिक समाज के तमाम लोगों ने मोर्चा संभाला था।

समाजवादी पार्टी चाहती है कि समाज में न्याय, सद्भाव और लोकतंत्र की जो आवश्यकता है उसे पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक समाज अपनी एकता कायम करके पूरा करे। इस एकता से फासीवादी और पूंजीवादी शक्तियों का मुकाबला किया जा सके। इन शक्तियों को समाजवादी समाज की प्रासंगिकता को समझाया जा सके और उसे सामंती जकड़बंदी से निकाला जा सके।

आज समाज फिर से वहीं पहुंच गया है जिस गड्ढे से निकालकर मान्यवर कांशीराम के आंदोलन ने उसे सत्ता की सीढ़ियां चढ़ना और समाज में बदलाव लाना सिखाया था। कांशीराम जिस 'चमचायुग' से लड़े थे आज वह फिर से कायम हो गया है। तमाम बहुजन नेतृत्व और चेतना हिंदुत्व जैसी सवर्णवादी विचारधारा की चाकरी करने को मजबूर हो गई है।

यह काम हिंदुत्ववाद के आख्यान के साथ

जातिगत श्रेष्ठता को मानने वाली शक्तियों ने पहले बहुत समावेशिता और चालाकी के साथ किया और अब निर्लज्जता के साथ कर रही हैं। बल्कि वे अब भारतीय ज्ञान परंपरा के नाम पर ऐसा शास्त्र रच रही हैं कि भारत में जाति व्यवस्था थी ही नहीं। यह ज्ञान परंपरा डॉ लोहिया और डॉ अंबेडकर दोनों के चिंतन को नकारती है बल्कि यह भारत की वास्तविकता को ही नकारती है।

मान्यवर कांशीराम इस सोच से लड़े थे और उसके लिए उन्होंने व्यावहारिक रणनीति विकसित की थी। यह बात दावे के साथ कही जा सकती है कि अगर मान्यवर कांशीराम न होते तो डॉ अंबेडकर के विचारों को जमीन पर उतारने की राजनीति ठप हो जाती। वह महज महाराष्ट्र के अंबेडकरवादियों के बीच बौद्धिक विलास में उलझी रह जाती। जैसे आज भी उलझी हुई है। समाजवादी पार्टी ने न सिर्फ समाजवाद के निर्गुण विचार को सगुण रूप दिया है बल्कि डॉ अंबेडकर के विचारों को भी डॉ लोहिया के प्रयोग के करीब लाकर जीवंतता प्रदान की है।

भारतीय समाज हिंदुत्ववादी राजनीति के खोखलेपन और राष्ट्रवाद के नाम पर अंतरराष्ट्रीय शक्तियों की दलाली से ऊब चुका है। वह चाहता है कि समाज में स्वाभिमानी शक्तियां खड़ी हों और वे न सिर्फ जातिगत कटघरों को तोड़ें बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन में पैदा हुए राष्ट्रीय स्वाभिमान को फिर से जागृत करें।

आज जरूरत मान्यवर कांशीराम के योगदान को फिर से उबारने की है। उन्होंने 1980 और 1990 के दौर में समाज में नई चेतना का संचार किया था। वह चेतना डॉ लोहिया की चेतना का ही विस्तार थी। बहुजन समाज पार्टी महज अपनी सत्ता और नेतृत्व के संरक्षण के बारे में सोचती है उसने समाज के मूल मुद्दों से अपने को काट लिया है। जबकि समाजवादी पार्टी एक ओर राष्ट्रीय सवालों पर सक्रिय है तो दूसरी ओर समाज के कमजोर तबकों के साथ बढ़ रहे अन्याय के विरुद्ध मुखर है।

निश्चित ही पीडीए दिवस सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण के काम को आगे बढ़ाएगा।

परिवर्तन का दूसरा नाम है पीडीए

डॉ अतुल गोयल

भारत का इतिहास गवाह है कि जब भी पिछड़े वर्ग, दलित और अल्पसंख्यक, जिन्हें हम पीडीए कहते हैं, एकजुट होकर खड़े हुए हैं, तो न केवल समाज की दिशा बदली है बल्कि पूरे राष्ट्र की तस्वीर ही बदल गई है। यह एकता न सिर्फ शोषण के खिलाफ एक मजबूत दीवार बनती है बल्कि न्याय, समानता और प्रगति का प्रतीक भी है।

आज जब हम चारों ओर अन्याय, असमानता और सामाजिक विषमताओं को देखते हैं तो हमें याद आता है कि पीडीए की यह एकजुटता ही वह शक्ति है जो इतिहास को नया मोड़ दे सकती है।

जब पीडीए एक हो जाता है तो क्या होता है? इतिहास के पन्नों में ऐसे कई उदाहरण बिखरे पड़े हैं जहां इस एकता ने चमत्कार किया है। उदाहरण के लिए, महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के नेतृत्व में पिछड़े और दलित वर्गों ने शिक्षा और सामाजिक सुधार के लिए एकजुट होकर तत्कालीन व्यवस्था को चुनौती दी। डॉ. बी आर अंबेडकर के संविधान निर्माण में दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की आवाज ने भारत को एक लोकतांत्रिक गणराज्य बनाया, जहां सबको समानता का अधिकार मिला।

और क्या? 1980-90 के दशक में मंडल आयोग की सिफारिशों ने जब पिछड़ों को आरक्षण दिया तो पीडीए की एकता ने राजनीतिक परिदृश्य बदल दिया। समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेताजी मुलायम सिंह यादव जैसे नेता इसका प्रतीक बने और आज हम देखते हैं कि इस एकता ने लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में अवसर दिए।

अल्पसंख्यकों की बात करें तो स्वतंत्रता संग्राम में मौलाना अबुल कलाम आजाद और खान अब्दुल गफ्फार खान जैसे नेताओं ने हिंदू-मुस्लिम एकता का उदाहरण पेश किया जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को हिला दिया। जब पीडीए एक होता है तो वह न केवल अपनी लड़ाई लड़ता है बल्कि पूरे समाज को मजबूत बनाता है। यह एकता वह ताकत है जो विभाजनकारी ताकतों को परास्त करती है और एक नए भारत का निर्माण करती है।

उच्च कुलीन वर्ग का शोषण एक कड़वी सच्चाई है, इसमें वे लोग शामिल हैं जो सदियों से सत्ता, संपत्ति और विशेषाधिकारों पर कब्जा जमाए बैठे हैं, जब देश या समाज का शोषण करता है तो वह उसी शरीर का खून पीता है जिसका वह हिस्सा होने का दावा करता है। पीडीए इस शरीर का मुख्य हिस्सा है- मजदूर, किसान, दिहाड़ीदार और वे सब जो देश की रीढ़ हैं लेकिन कुलीन वर्ग उन्हें दबाकर रखता है, उनकी मेहनत का फल खुद चखता है।

यह शोषण सदियों पुराना है। प्राचीन काल से ही जाति व्यवस्था ने दलितों को अछूत बनाया, पिछड़ों को अवसरों से वंचित किया और अल्पसंख्यकों को अलग-थलग किया। आधुनिक समय में यह आर्थिक असमानता के रूप में प्रकट होता है जहां अमीर और गरीब के बीच की खाई लगातार बढ़ती जा रही है।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि भारत की 1% आबादी के पास 40% से ज्यादा संपत्ति है जबकि पीडीए बहुमत होने के बावजूद गरीबी और बेरोजगारी से जूझता है लेकिन उत्साह की बात यह है कि जब पीडीए जागता है तो यह शोषण टूटता है। एकजुटता से हम इस व्यवस्था को बदल सकते हैं, जहां हर व्यक्ति को सम्मान और अवसर मिले।

आज देश में इतना अन्याय और शोषण— जातिगत हिंसा, धार्मिक भेदभाव, आर्थिक असमानता। दलितों पर अत्याचार, पिछड़ों को आरक्षण में बाधाएं, अल्पसंख्यकों को डर लेकिन यह अंत नहीं है, यह एक नई शुरुआत का अवसर है। पीडीए की एकता से हम इस अन्याय को मिटा सकते हैं।

पीडीए की एकता वह जादुई मंत्र है जो भारत को सशक्त, समृद्ध और न्यायपूर्ण बना सकता है। आज जब हम चारों ओर चुनौतियां देखते हैं, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक विभाजन तो हमें याद रखना चाहिए कि हमारी ताकत हमारी एकता में है। उच्च कुलीन वर्ग का शोषण तभी रुकेगा जब हम एक होकर खड़े होंगे।

जय हिंद। जय पीडीए।

(लेखक बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में अर्थशास्त्र के सहायक आचार्य हैं)

फोटो क्रेडिट : गूगल

रसोई गैस की किल्लत ने भाजपा सरकार की पोल खोली

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की बात आखिरकार सच साबित हुई कि भाजपा सरकार विदेश नीति में भी फेल है। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के युद्ध से उपजे हालात ने भारत में रसोई गैस की भारी किल्लत हो गई है।

जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। रसोई गैस को लेकर पूरे देश, प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है और भाजपा सरकार अभी भी यह मानने को तैयार नहीं है कि रसोई गैस की किल्लत है और वह झूठ पर झूठ बोल रही है।

आम जन यह सवाल कर रहे हैं कि अगर रसोई गैस की किल्लत नहीं है तो फिर लोग कड़ी धूप में गैस के लिए कतार में क्यों लगे हुए हैं। हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं और रसोई गैस के लिए अब मारपीट तक होने लगी है। जाहिर है, रसोई गैस की किल्लत ने भाजपा सरकार की पोल खोल दी है।

उत्तर प्रदेश में रसोई गैस की किल्लत का आलम यह है कि मुख्यमंत्री के गृह नगर गोरखपुर से लेकर बाराबंकी, लखनऊ आदि जगहों पर रोजाना मारपीट हो रही है। सभी जिलों में रसोई गैस के लिए तड़के से लंबी कतारें बता रही हैं कि लोग बहुत परेशान हैं, महिलाएं भी रसोई गैस के लिए कतारों में जूझ रही हैं, मिन्नतें कर रही हैं और भाजपा सरकार अभी भी झूठ पर कायम है।

हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि कई होटल बंद हो गए हैं, कारोबार में गिरावट आ रही है। फैक्ट्रियों में ईंधन की कमी की वजह से उत्पादन घट रहा है।

भाजपा सरकार में पहले भी जमाखोरों की चांदी हुआ करती थी, रसोई गैस किल्लत होते ही फिर जमाखोर सक्रिय हो गए हैं। गोरखपुर में एक गैस एजेंसी को सरेआम कालाबाजारी करते जनता ने पकड़ा तो पुलिस प्रशासन को कार्यवाही करनी पड़ी।

रसोई गैस की किल्लत को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार मुखर है और प्रदर्शन भी कर रही है। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रसोई गैस की किल्लत को लेकर प्रदर्शन किया तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया यानी सरकार नहीं चाहती कि उसकी पोल खुले मगर सचाई यह है कि जनता को ही किल्लत है तो वह किस-किसकी आवाज बंद करेगी।

खाली हो गया भाजपा के अच्छे दिनों का सिलेंडर

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने रसोई गैस की किल्लत से लोगों को हो रही परेशानी पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह रसोई गैस की पर्याप्त व्यवस्था करे ताकि जनता के चूल्हे जलते रहें।

उन्होंने कहा कि अगर भाजपा वाले कह रहे हैं कि 'गैस' की कोई कमी नहीं है तो मंत्री, सांसद, विधायक, पार्षद और करोड़ों कार्यकर्ता और उनके अनरजिस्टर्ड संगी-साथी अपने पुराने इतिहास को दोहराते हुए अंडरग्राउंड क्यों हो गए हैं। वे भूमिगत ठिकानों से निकलें और जनता के बीच जाकर गैस एजेंसियों से गैस दिलवाएं।

उन्होंने कहा कि लगता है कि भाजपा के अच्छे दिनों का सिलेंडर खाली हो गया है। सिलेंडर की लाइन में घंटों लगने के बाद जब लोगों को ये बताया जा रहा है कि जब तक उपभोक्ता के पास (डीएसी) डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड नंबर नहीं होगा तब तक गैस का सिलेंडर नहीं मिलेगा, तब जनता में रोष-आक्रोश तो जन्मेगा ही। जनता कह रही है अगर डीएसी के लिए गैस कंपनियों का सर्वर डाउन है तो हम क्या करें, सर्वर चलाना तो सरकार की जिम्मेदारी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पुरानी पासबुक दिखाने के बहाने सिलेंडर न देना अमानवीय है क्योंकि बच्चे-बुजुर्ग घरों में भूखे हैं। ये सारा खेल कालाबाज़ारी करने वाले भाजपाई खेल रहे हैं। ब्लैकमार्केट में मजबूरी के मारे लोगों से उनकी मजबूरी के हिसाब से कई गुना तक दाम वसूले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कभी ऑक्सीजन के सिलेंडर के लिए जनता भटकी थी, अब खाने की गैस के सिलेंडर के लिए भटक रही है। भाजपा ने परिवारवालों को भुखमरी के कगार पर लाकर अनाथ छोड़ दिया है। भाजपा सरकार फेल हो गयी है और भाजपाई नेता नदारद हैं। अब क्या जनता के लिए भाजपाइयों के घरों से भोजन आएगा या भाजपाई पंडाल-पंगत लगाकर भूखी जनता का पेट भरेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अब क्या जनता भाजपाइयों के घरों का घेराव करे या उनके कार्यालयों, प्रतिष्ठानों या फिर (भाजपा का झंडा उतारी हुई) उनकी गाड़ियों का। उन्होंने कहा कि सच तो ये है कि किल्लत जितनी बढ़ती है, भाजपा उतना ही उसे नकारने का झूठ बढ़ा देती है।

रसोई गैस से आलू तक पर सपा ने सरकार को घेरा

बुलेटिन ब्यूरो

संसद के बजट सत्र में समाजवादी पार्टी सांसदों ने संसदीय दल के नेता व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में देश-विदेश की असफल नीतियों पर भाजपा सरकार को जमकर घेरा। सांसदों ने यूपी के आलू किसानों की समस्याओं और रसोई गैस के संकट पर संसद के मकर द्वार पर प्रदर्शन कर सरकार का ध्यानाकर्षण कराया।

समाजवादी पार्टी के सांसदों ने मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव की अगुआई में हाथों में आलू लेकर आलू किसानों की परेशानियों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। सांसदों के हाथ में आलू थे और वे बता रहे थे कि उत्तर प्रदेश का आलू किसान कितना परेशान है। हलकान है और सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। आलू किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने की मांग की गई।

देश में रसोई गैस की किल्लत को लेकर भी समाजवादी पार्टी के सांसदों ने मकर द्वार पर प्रदर्शन कर भाजपा सरकार से संकट खत्म करने के लिए प्रयास करने और देश की जनता को वस्तुस्थिति से अवगत कराने की मांग की।

सांसद इस बात पर नाखुश थे कि जब संकट है तो सरकार उसे स्वीकार क्यों नहीं कर रही है। यह क्यों कहा जा रहा है कि रसोई गैस का कोई संकट नहीं है, यह सिर्फ अफवाह है। सपा सांसदों ने भाजपा सरकार से सवाल पूछा कि जब संकट नहीं है तो फिर लोग लाइन में क्यों लगे हैं। बुकिंग का समय बढ़ाया क्यों गया है।

समाजवादी पार्टी सांसदों ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा व राज्यसभा में जनहित के मुद्दों पर सरकार के सामने मजबूती से सवाल उठाए। साथ ही समाजवादी पार्टी सांसदों ने क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर भी सरकार से सवाल पूछे।

बजट सत्र के दूसरे भाग में संसद की कार्यवाही 9 मार्च को शुरू होने से पहले ही श्री अखिलेश यादव ने कई अहम मुद्दे देश के सामने रखे। उन्होंने सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि पहले मुद्दे कुछ और

थे मगर अब वैश्विक स्तर पर तनाव और संकट के कारण मुद्दे बदल गए हैं इसलिए उन मुद्दों पर सरकार को चर्चा करनी चाहिए। विपक्ष ने श्री अखिलेश यादव के इन सवालों पर सहमति जताई और उस पर सरकार को घेरा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब संसद के बजट सेशन का अंतराल हुआ था तब विषय अलग थे और आज के युद्धकालीन हालातों की वजह से, संकट के इस माहौल में हमारी प्राथमिकता इन विषयों पर होनी चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि युद्ध के संदर्भ में देश का पक्ष व राय, विदेश नीति के गिरवी रखने का विषय, तेल जैसी आपूर्ति पर आत्मनिर्णय की जगह अमेरिकी आदेश का आना, हमारी संप्रभुता और आत्मनिर्भरता का प्रश्न, युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों में फंसे वहां कार्यरत भारतीय या पर्यटक बनकर गये भारत के नागरिकों की सुरक्षा व उन्हें सकुशल भारत लाने का सवाल, युद्ध के कारण ज़रूरी आपूर्ति को नियमित व सुनिश्चित करने के साथ ही उनके बढ़ते दामों को नियंत्रित करने का विषय बहुत अहम है। इस पर सरकार को चर्चा करनी चाहिए।

संसद भवन परिसर में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश की विदेश नीति गिरवी रख दी है। पहली बार है, जब हमारी विदेश नीति विदेश के लोग तय कर रहे हैं।

देश के सामने गंभीर चुनौतियां है। देश के बड़ी संख्या में लोग युद्ध क्षेत्र में फंसे हैं। मंहगाई बढ़ती जा रही है। इसके साथ तमाम बड़े मुद्दे हैं जिन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बात आत्मनिर्भर होने की होती है लेकिन अमेरिका हमारी सरकार को आर्डर कर रहा है। डिक्टेट कर रहा है। कितने दिन तेल खरीदना है, कहां से खरीदना है, यह दूसरा देश तय कर रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार युद्ध को लेकर अपनी राय साफ करे। सरकार का क्या पक्ष है।

इसके अलावा समाजवादी पार्टी के सांसदों ने लोकसभा व राज्य सभा में महंगाई, बेरोजगारी, उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था, जनहित के तमाम और सवालों को लेकर भाजपा सरकार को जमकर घेरा।

बढ़ता जा रहा PDA का कारवां

समाज का हर तबका सपा में हो रहा शामिल

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा सरकार से त्रस्त P D A समाज तेजी के साथ एकजुट हो रहा है और 2027 में समाजवादी सरकार बनाने के लिए श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में मजबूती के साथ खड़ा हो रहा है। दूसरे दलों में मौजूद P D A के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

समाजवादी पार्टी में शामिल होने वालों में मोटीवेशनल स्पीकर, कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी, बीएसएफ के पूर्व डीआईजी व प्रगतिशील शिक्षक एवं प्रबुद्ध समाज मंच के तमाम पदाधिकारी शामिल हैं। जिस तेजी के साथ PDA का कुनबा बढ़ रहा है, वह बताता है कि पीड़ित लोग अब भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित हैं।

7 मार्च को समाजवादी पार्टी की नीतियों पर आस्था जताते हुए कई प्रमुख नेताओं ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इन सभी नेताओं का पीडीए परिवार में स्वागत किया। सभी ने श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में 2027 में यूपी में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प लिया।

श्री अखिलेश यादव ने सभी साथियों का समाजवादी पार्टी में स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि सबकी एकजुटता से 2027 में भाजपा सत्ता से बाहर जाएगी और समाजवादी पार्टी सत्ता में आएगी।

समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने वालों में प्रमुख रहे श्री रोहित कुमार पाण्डेय एडवोकेट जो संतकबीर नगर में कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी रह चुके हैं।

इनके अलावा बीएसएफ के पूर्व डीआईजी राम सलत राम एवं मुजफ्फरनगर के श्री अंकित सिंह, प्रगतिशील शिक्षक एवं प्रबुद्ध समाज मंच की प्रयागराज, लखनऊ, इटावा, लखीमपुर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, कौशांबी, आजमगढ़, संतकबीरनगर, ललितपुर, कानपुर नगर, कुशीनगर, गोरखपुर ग्रामीण एवं नगर, अंबेडकर नगर, सिद्धार्थनगर, लखनऊ इकाइयों के तमाम शिक्षकों एवं बुद्धिजीवियों ने बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

विधान परिषद में विरोधी दल के नेता श्री लाल बिहारी यादव के विशेष प्रयासों से प्रगतिशील शिक्षक एवं प्रबुद्ध समाज मंच समाजवादी पार्टी में शामिल हुआ।

इससे पहले 22 फरवरी को तमाम लोगों ने PDA की मजबूती के लिए समाजवादी पार्टी में आस्था जताई और सपा की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने वालों में मोटीवेशनल स्पीकर अमर चौधरी भी शामिल रहे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के समक्ष समाजवादी पार्टी की नीतियों पर आस्था जताते हुए भाजपा, राष्ट्रीय लोक दल और राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी छोड़कर आए नेताओं और दूसरे प्रमुख लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने वालों में सर्वश्री रवि बैंसला भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए।

श्री नवीन शर्मा प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग सेंटर संचालक बुलन्दशहर, एडवोकेट वीरेन्द्र सिंह गाजियाबाद ने राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थामा। एडवोकेट महेश नागर गौतमबुद्ध नगर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

शामिल होने वालों में सर्वश्री राहुल सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष/पूर्व प्रत्याशी रालोद बिजनौर/पूर्व ब्लाक प्रमुख हल्दौर बिजनौर, भोपाल सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख बिजनौर, महेन्द्रपाल पूर्व डिप्टी एसपी बिजनौर, करणपाल सिंह भुइयार सदस्य जिला पंचायत बिजनौर, अर्जुन सिंह पूर्व अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद बिजनौर, दिलावर सिंह प्रधान पूर्व चेयरमैन डीसीएफ बिजनौर, बलजीत शास्त्री पूर्व जिला मुख्य महासचिव रालोद बिजनौर, सुरेन्द्र सिंह प्रधान एससी डायरेक्टर गन्ना समिति बिजनौर प्रमुख थे।

इनके अलावा सर्वश्री सूरज सिंह प्रधान, रविन्द सिंह पूर्व चेयरमैन, नितिन कुमार पूर्व जिलाध्यक्ष छात्रसभा रालोद, रोहित कुमार ग्राम प्रधान, संजीव कुमार ग्राम प्रधान, धर्मेन्द्र कुमार ग्राम प्रधान, राम लाल बाल्मीकि जिलाध्यक्ष बाल्मीकि समाज, देवेश चौधरी महासचिव व्यापारी एकता परिषद, बलराम सिंह जिला उपाध्यक्ष रालोद, कामेन्द्र सिंह पूर्व जिला महासचिव रालोद, ठाकुर सतीश गहलौत वरिष्ठ भाजपा नेता, प्रशान्त चौधरी, धर्मेन्द्र कुमार पीपलसाना, मुनिदेव शर्मा, जाफर हुसैन, आकाश कुमार जिला महासचिव रालोद, सिन्टु कुमार पूर्व जिला सचिव रालोद, प्रशान्त विकास जिला महासचिव युवा बिजनौर ने भी सपा की सदस्यता ली।

साथ ही सर्वश्री शिवदत्त पाण्डेय, जुनैद फरीदी चेयरमैन, सुख पाल सिंह गुर्जर, अजय भाटी, लीलू प्रमुख, विक्रम प्रधान, बेगराज, विजय पाल मास्टर, मुकेश प्रधान सतीश त्यागी आदि ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी में शामिल होने वालों ने श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी में शामिल होते हुए PDA को मजबूत करने का संकल्प लिया।

दौरों का संदेश

सरकार बनाइए अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के दौरों के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को मिलता व्यापक जन समर्थन स्पष्ट रूप से संकेत दे रहा है कि यूपी की अवाम भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए पूरी तरह मन बना चुकी है।

जिलों में जिस तरह श्री अखिलेश यादव का भव्य स्वागत हो रहा है, वह यूपी के तमाम जिलों के लिए संदेश है कि 2027 में अखिलेश सरकार आने वाली है। जिलों में जनता श्री अखिलेश यादव को बता भी रही है कि वे भाजपा सरकार से त्रस्त हैं और सभी मोर्चों पर भाजपा सरकार फेल हो चुकी है। जनता से किए गए एक भी वायदे भाजपा सरकार ने पूरे नहीं किए हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कानून-व्यवस्था, व्यापार,

सामाजिक सौहार्द आदि सभी मुद्दों पर भाजपा सरकार मौन है जिस कारण भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है।

21 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव झांसी के दौरे पर थे। जहां लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया और 2027 में सरकार बनाने के लिए समर्थन देने का ऐलान किया। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 विधान सभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर जाना है। जनता समाजवादी पार्टी को ऐतिहासिक जीत दिलाएगी। भाजपा सरकार से किसान, नौजवान, व्यापारी, हर वर्ग दुःखी है। अन्याय, अत्याचार चरम पर है। किसी को भी न्याय नहीं मिल रहा है।

25 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव कानपुर व उन्नाव के दौरे पर थे। दोनों ही जिलों में श्री अखिलेश यादव का भव्य तरीके से स्वागत किया गया। जिस तरह अवाम श्री अखिलेश यादव के स्वागत में उमड़ी, उससे स्पष्ट संदेश मिला कि भाजपा सरकार से त्रस्त जनता को अब श्री अखिलेश यादव से ही उम्मीद है और वह 2027 में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए तैयारी है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन है और यह गठबंधन रहेगा। आने वाले समय में सभी पीडीए के लोग मिलकर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए हमारी मदद करेंगे। पीडीए की सरकार में हम सामाजिक न्याय के राज की स्थापना का संकल्प लेते हैं। हम पीडीए के लोगों को भरोसा दिलाते हैं कि उनका सम्मान और सामाजिक न्याय दिलाने का काम करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सभी को अपमानित कर रही है। बुलडोजर चलाकर कानपुर में मां-बेटी को जिन्दा जला दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर कानपुर के औद्योगिक विकास को बढ़ाएंगे। गंगा जी की सफाई कराएंगे। बिजली सस्ती करेंगे। इंडस्ट्री को सपोर्ट करेंगे। नौकरी-रोजगार बढ़ाएंगे। कानपुर को सुन्दर बनाएंगे।

28 फरवरी को श्री अखिलेश यादव अपने संसदीय क्षेत्र कन्नौज के दौरे पर थे। जहां उनके स्वागत में बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। श्री अखिलेश यादव ने जनता के बीच कहा कि भाजपा धोखा देती है। झूठ बोलती है। ये नकली लोग हैं। भाजपा जनता के लिए बुनियादी काम नहीं करती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता के लिए बिजली सस्ती नहीं करेगी। इलाज सस्ता नहीं करेगी, मेडिकल कॉलेज और कैंसर संस्थान की सुविधाएं नहीं बढ़ाती है। आज प्रदेश में कैंसर और हार्ट के मरीजों के लिए पर्याप्त इलाज नहीं है। दवा, इलाज बहुत महंगा है। इसके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में कन्नौज में काऊ मिल्क प्लांट लगाया गया था जिससे गाय के दूध का उत्पादन बढ़ता। लोगों को गाय का शुद्ध दूध मिलता लेकिन भाजपा सरकार ने प्लांट बंद कर दिया। भाजपा किसी भी अच्छी चीज के पक्ष में नहीं है। भाजपा सरकार ने कन्नौज का विकास रोक दिया है। आलू किसान को आलू की कीमत नहीं मिल रही है। आलू किसान एमएसपी की मांग कर रहे है। उनकी हालत खराब है। किसान को मंहगाई का सामना करना पड़ रहा है। नौजवान नौकरी, रोजगार के लिए भटक रहे हैं। भाजपा सरकार रहेगी तो सब बंद हो जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने बुनियादी चीजों पर काम नहीं कर रही है। केन्द्र सरकार देश का पूरा कारोबार इजरायल और अमेरिका को दे रही है। सारा सामान चीन से आ रहा है। एआई समिट में रोबोट चीन का लेकर आ गए। भाजपा ने पूरी दुनिया में देश की बदनामी कराई।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार वोट कटवाने के लिए एसआईआर करा रही है। भाजपा वालों ने कहा था कि मुसलमानों के वोट कटवाएंगे। मुसलमान भाई कागज ढूंढ़ेंगे, लेकिन जबसे एसआईआर हो रहा है हम देख रहे हैं कि हिन्दू भाई ज्यादा कागज तलाश रहे हैं। भाजपा एसआईआर में हिन्दू भाइयों को परेशान कर रही है।

अगर वोट नहीं बना, मतदाता सूची में नाम नहीं आया तो कल को भाजपा कोई भी चिट्ठी दे देगी कि भारत के नागरिक नहीं हैं। फिर सबको डिटेंशन सेन्टर में रहना पड़ेगा। भाजपा सरकार मुसलमान भाइयों को डराने के लिए डिटेंशन सेंटर बना रही थीं। अब जिसका वोट नहीं इसका मतलब है कि

उसकी नागरिकता नहीं है तो भाजपा सरकार उसे डिटेंशन सेंटर भेज देगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी विदाई से पहले घूमने गए थे। दिल्ली सरकार के 11 साल और यूपी सरकार के नौ साल हो गए हैं। अभी तक ये एमओयू के कागज लिए घूम रहे हैं। जमीन पर कोई निवेश नहीं आया। अगर निवेश जमीन पर उतरा होता तो मोबाइल यहीं बन रहे होते। मोबाइल के अन्य सामान भी यहीं बन रहे होते। जब इनका समय खत्म होने को है तब जापान गए।

श्री यादव ने कहा कि अधिकारियों को पता चल गया है कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार आने वाली है। समाजवादी सरकार में बनाया गया जेपीएनआईसी अब खुलने लगा है। अभी पार्किंग खोलेंगे। फिर अन्दर खोलेंगे। फिर हमें दे देंगे। दरअसल भाजपा के पास समाजवादी सोच का कोई नेता नहीं है। जब भाजपा का पहला अधिवेशन हुआ था तब अपने आपको समाजवादी दिखाने के लिए भाजपा को जयप्रकाश नारायण जी की तस्वीर लगानी पड़ी थी लेकिन उन्हीं के नाम से बने जेपीएनआईसी को भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया।

श्री यादव ने कहा कि दुनिया में युद्ध नहीं होना चाहिए। हम समाजवादी लोग हमेशा लड़ाई के खिलाफ रहे हैं। युद्ध कभी अच्छा नहीं होता है। इससे नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सीमाओं और बहुत सारी चीजों को लेकर देशों के बीच बहुत झगड़े है, वे एक-दूसरे को नीचा दिखाना चाहते हैं।

बूथों पर डटेंगे विचारों से भी लड़ेंगे

बुलेटिन ब्यूरो

विधानसभा चुनाव 2027 की कामयाबी के लिए समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता मैदान में डट चुका है। मतदाता सूची लेकर जन समस्याओं के समाधान के लिए ये कार्यकर्ता दिनरात एक किए हुए हैं। कार्यकर्ताओं को ऊर्जा दे रहे हैं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव। श्री अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं के साथ लगातार संवाद, बैठकें कर उन्हें बता रहे हैं कि साजिशें करने वाली भाजपा का किस तरह मुकाबला करना है।

वहीं बूथों के साथ भाजपा से विचारों से लड़ने के लिए बुद्धिजीवी वर्ग भी मैदान में डट चुका है और श्री अखिलेश यादव बुद्धिजीवी वर्ग के साथ भी बैठकें कर रहे हैं।

कार्यकर्ताओं के बीच लगातार मौजूद रहकर श्री अखिलेश यादव, कार्यकर्ताओं को बता रहे हैं कि जनता के बीच किन मुद्दों पर चर्चा करनी है और किस तरह बूथ प्रबंधन संभालना है। विचारों के साथ-साथ बूथों पर भी भाजपा का मुकाबला करने के लिए श्री अखिलेश यादव ने मुहिम तेज कर दी है।

26 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को उत्तर प्रदेश में हराना जरूरी है। भाजपा को हराना मतलब यूपी को बचाना। भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। भ्रष्टाचार, अपराध, कमीशनखोरी चरम पर है। यह सरकार हर वर्ग को अपमानित कर रही है। भाजपा सामाजिक अन्याय और नफरत फैलाने की प्रतीक बन गयी है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की चालाकी से सावधान रहना है। 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को बहुत समझदारी से काम लेना है। भाजपा की साजिशों से सजग और सतर्क रहना होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार एसआईआर में बड़े पैमाने पर घपला कराना चाहती है। भाजपा एसआईआर के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने पर तुली है। भाजपा की नीयत खराब है। पीडीए मतदाताओं का वोट कटवाने के लिए नोटिसें दी गईं। भाजपा लोगों को वोट के अधिकार से वंचित करना चाहती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों, नौजवानों को धोखा दे रही है। सभी के साथ छल कर रही है। अमेरिका के साथ डील से किसानों को बड़ा नुकसान होगा। खेती और किसान बर्बाद हो जाएंगे। अमेरिका पर निर्भरता भारत के हित में नहीं है। इस समझौते से भारतीय दालों, बाजरे से लेकर अन्य फसलों का क्या होगा, अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण भारत की आर्थिक पराजय है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा की आर्थिक नीतियां जनविरोधी हैं। इस सरकार में गरीब और गरीब होता जा रहा है। अमीर और अमीर हो रहे हैं। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण आटा और डाटा दोनों खतरे में है। इस सरकार ने मंहगाई बेरोजगारी बढ़ाकर लोगों को संकट में डाला है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपनी सरकार के दौरान प्रदेश में विकास के बहुत कार्य किए। छात्र-नौजवानों को लैपटाप देकर तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ाया। उनके लिए नए अवसर पैदा हुए। समाजवादी पार्टी चाहती है कि किसान को उसकी फसल की सही कीमत मिले। बेरोजगारी खत्म हो। मुनाफाखोरी समाप्त हो। दाम बांधो नीति लागू हो।

27 फरवरी को श्री अखिलेश यादव ने पार्टी

के राज्य मुख्यालय लखनऊ पर समाजवादी पार्टी इंटलेक्चुअल फोरम की बैठक की। बैठक में तमाम मुद्दों पर विचार-विमर्श कर भाजपा का विचारों से मुकाबला करने के लिए रणनीति बनाई गई। बैठक में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना आवश्यक है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राजनीतिक दल नहीं गैंग है। भाजपा की राजनीति चालाकी से प्रेरित है। भाजपा सांप्रदायिकता और नफरत की वाहक है। भाजपा ने सत्ता का दुरूपयोग करने के सिवाय कुछ नहीं किया। भाजपा के कारण देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था तहस-नहस हो रही है। भाजपा ने नई पीढ़ी को अंधेरे में धकेल दिया है। प्रगतिशील समाज में पाखंड और अंधविश्वास का कोई स्थान नहीं हो सकता है। भाजपा सरकार में देश के कुल भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार के दस वर्ष का नतीजा सिफर है। बेरोजगारी, महंगाई, चरम पर है। नौजवानों के लिए नौकरी-रोजगार नहीं है। भाजपा सरकार की चलाचली की बेला है। शिक्षा और स्वास्थ्य का क्षेत्र पूरी तरह से बर्बाद है। मुख्यमंत्री जी विदाई पर्यटन पर है। अब जो एमओयू हो रहे है उनका क्या भविष्य है? अब इनके पास कितना समय बचा है?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की नीति भ्रामक और वीभत्स है। भाजपा सरकार ने पूरा बाजार विदेशियों को सौंप दिया है। भारत के बाजार और जमीन पर विदेशियों की नजर है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा का एक गिरोह देश को चला रहा है। इस गैंग से छुटकारा का रास्ता यूपी से ही निकल सकता है। भाजपा सरकार बताए कि

आजादी के समय देश का क्षेत्रफल कितना था और आज क्षेत्रफल कितना है?

बैठक में बुद्धिजीवी और शिक्षाविद शामिल थे। समाजवादी पार्टी इन्टलेक्चुअल फोरम के सदस्यों ने कहा कि श्री अखिलेश यादव ने सबको समान अवसर और पीडीए का सगुण स्वरूप देकर डॉ. राममनोहर लोहिया के विचारों को साकार किया है। समाजवाद के विचार को नेतृत्व दिया है। भाजपा सरकार ने हर वर्ग को निराश किया है। भाजपा ने बुद्धिजीवियों समेत समाज के सभी वर्गों को घोर निराशा में फंसा दिया है। भाजपा ने देश को ऐसे भंवर में फंसा दिया है, जिसका कोई ओर छोर नहीं है। आधुनिक समाज के संदेश वाहक अखिलेश जी पर ही देश को भरोसा है।

सदस्यों का कहना था कि श्री अखिलेश यादव की विचारधारा से भारत को नयी और सकारात्मक दिशा मिलेगी। समाजवादी पार्टी की सरकार ने हर वर्ग को सम्मान दिया। उत्तर प्रदेश का विकास किया। छात्र-छात्राओं को लैपटाप देकर आगे बढ़ाया। कन्याविद्या धन योजना से लड़कियों को पढ़ने का अवसर दिया। इस मौके पर समाजवादी पार्टी इन्टलेक्चुअल फोरम ने श्री अखिलेश यादव को 2027 में प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। बैठक में समाजवादी पार्टी इन्टलेक्चुअल फोरम के प्रदेश प्रभारी प्रो शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

सपा सरकार में होगी सामाजिक न्याय की स्थापना

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार माफियाओं की सरकार है। यह सबसे अराजक और इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकार है। भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के कारण महंगाई चरम पर पहुंच गई है। यह सरकार टैक्स लगाकर मंहगाई बढ़ाती जा रही है।

7 मार्च को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का विजन विकास, नौकरी, रोजगार है। इसके साथ ही तमाम बड़े फैसले लिए गए । उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सबके साथ से पीडीए सरकार बनाकर सभी को न्याय दिलाएगी और सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग झूठा है। अगर समाजवादी पार्टी ने इतना शोर न मचाया होता तो भाजपा ने हर विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वोट कटवाने की तैयारी की थी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। यह लुटेरी सरकार हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को गांव-गरीब के बीच जाकर पीड़तों, शोषितों को एकजुट करना है। समाजवादी पार्टी के पक्ष में माहौल बना है। इस बार यूपी में भाजपा का पता नहीं चलेगा।

1 मार्च को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए वरिष्ठ नेताओं-कार्यकर्ताओं से मुखातिब होते श्री अखिलेश यादव ने 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। जरूरी टिप्स दिए। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी है इसलिए एकजुट होकर लड़ना है। सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करने लिए लोकतंत्र, संविधान, धर्मनिरपक्ष और समाजवाद को बचाना है।

श्री अखिलेश यादव ने ताकीद की कि भाजपा के झूठ, भ्रम और षड़यंत्र से सावधान रहना है। भाजपा पीडीए को बदनाम करने के लिए कुप्रचार करेगी। भाजपा अपने विरोधियों को झूठे मुकदमों में फंसाती है। पीडीए पॉजिटिव विचार है जबकि भाजपा का एनडीए निगेटिव है। प्रोगेस के लिए पीडीए का विचार दिया गया है। हम लोगों को पीडीए से नहीं हटेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार से पीड़ित, दुःखी अपमानित लोग एकजुट होकर पीडीए के साथ हैं। भाजपा हर वर्ग को अपमानित कर रही है। शंकराचार्य जी को अपमानित किया। गंगा जी में स्नान नहीं करने दिया। भाजपा ने शंकराचार्य जी को दुःखी किया है। समाजवादी पार्टी सभी महापुरुषों का सम्मान करती है। भाजपा जनता का भरोसा खो चुकी है। आम जनता समाजवादी सरकार बनाने का फैसला ले चुकी है। आज किसान, नौजवान, महिलाएं और व्यापारी सहित हर वर्ग परेशान और त्रस्त है।

यूपी के व्यापारी भाजपा से निराश

अखिलेश से ही आस

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार का व्यापारियों पर जुल्म बढ़ता जा रहा है। अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी से लेकर मेरठ आदि सभी जिलों में भाजपा सरकार लगातार व्यापारियों पर अत्याचार कर रही है।

भाजपा सरकार से बुरी तरह निराश व्यापारी वर्ग को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से ही आस है। क्योंकि श्री अखिलेश यादव एकमात्र ऐसे राजनेता हैं जो व्यापारियों पर हो रहे जुल्म के खिलाफ लगातार आवाज बुलंद कर रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव की व्यापारियों को लेकर नीति और स्पष्ट नीयत को देखते हुए मेरठ के व्यापारियों ने श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर उनसे राष्ट्रीय स्तर पर मामला उठाने के लिए मदद मांगी। इससे पहले श्री अखिलेश यादव वाराणसी, गोरखपुर व अयोध्या में जुल्म के शिकार हुए व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़े हुए थे। अब उन्होंने मेरठ के व्यापारियों को आश्वस्त किया कि वे उनकी हर संभव मदद करेंगे।

10 मार्च को सपा विधायक अतुल प्रधान के नेतृत्व में मरेठ के व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ पहुंचकर श्री अखिलेश यादव से मुलाकात की और मेरठ सेन्ट्रल मार्केट मामले को लेकर ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने श्री अखिलेश यादव से पुलिस की बर्बर कार्रवाई और लाखों लोगों की रोज-रोजी के मामले से जुड़े इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में बताया कि मेरठ के शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट प्रकरण में हजारों व्यापारी, मजदूर और उनसे जुड़े परिवार पिछले कई दिनों से अपनी रोज़ी-रोटी और वर्षों की मेहनत से खड़ी की गई आजीविका को बचाने के लिए शांतिपूर्ण एवं

लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष कर रहे हैं। यह केवल दुकानों का मामला नहीं है, बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य और लाखों लोगों की आजीविका से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है।

व्यापारियों ने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण रूप से इस दौरान प्रशासन और पुलिस द्वारा जिस प्रकार का व्यवहार किया गया, उसने लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। पुलिस लगातार टकराव का माहौल बनाने का प्रयास करती रही। हालात तब और चिंताजनक हो गए जब देर रात लगभग 2 बजे करीब ढाई सौ पुलिसकर्मी धरना स्थल पर पहुंचे जबकि उस समय वहां लगभग 20 लोग ही मौजूद थे।

इसके बावजूद पुलिस ने टेंट उखाड़ने, धरना समाप्त कराने और लोगों को डराने-धमकाने जैसी कार्रवाई की। समाजवादी पार्टी के झंडे लगाने पर कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर आंदोलन को दबाने का प्रयास किया गया।

श्री अखिलेश यादव ने प्रतिनिधिमंडल को मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर रास्ता निकाल कर व्यापारियों की मदद करेंगे जिससे उनकी दुकान और कारोबार बचा रहे। स्थान भी न उजड़े। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह कोई कानूनी कार्रवाई न करे। पुलिस की प्रताड़ना रोके।

उन्होंने सरकार से मांग की की कि सहानुभूति दिखाते हुए व्यापारियों की मदद करें। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो प्रभावित परिवारों की मदद हो सकती है। सरकार मास्टर प्लान में बदलाव कर रास्ता निकाल सकती है। कारोबारियों की मदद होनी चाहिए।

व्यापारियों का दर्द साझा करने जा रहे सपा नेता हाउस अरेस्ट

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा सरकार में व्यापारी समाज पर भी आफत टूट पड़ी है। कहीं अतिक्रमण के नाम पर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है तो कहीं सड़क चौड़ीकरण के नाम पर उनकी दुकानें ध्वस्त हो रही हैं, कारोबार छीना जा रहा है। भाजपा सरकार में व्यापारियों पर जुल्म इस हद तक बढ़ चुका है कि कभी जीएसटी के नाम पर तो कभी बिजली कनेक्शन की जांच के नाम पर परेशान किया जाता है।

वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या से लेकर यूपी के दर्जनों जिलों में ऐसे ही हालात हैं और विरोध के स्वर बुलंद करने पर व्यापारियों की आवाज को दबाने में पुलिस बल का इस्तेमाल हो रहा है। व्यापारियों पर जुल्म की दास्तां यह है कि वे अपनी पीड़ा भी किसी से साझा नहीं कर पा रहे हैं।

21 फरवरी को समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने व्यापारियों की पीड़ा सुनने के लिए वाराणसी जाना चाहा तो पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया। उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव अयोध्या, गोरखपुर व वाराणसी के दाल मंडी के व्यापारियों की आवाज लगातार उठा रहे हैं। संसद में भी वह इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा चुके हैं और व्यापारियों के लिए संघर्ष कर रहे हैं मगर भाजपा सरकार जुल्म करने पर आमादा है।

श्री अखिलेश यादव ने पहले अयोध्या और फिर गोरखपुर में व्यापारियों की पीड़ा सुनने के लिए सपा के वरिष्ठ नेताओं का प्रतिनिधिमंडल भेजा था मगर पुलिस ने इस प्रतिनिधिमंडल को व्यापारियों की पीड़ा सुनने में व्यवधान डाला। वाराणसी के दाल मंडी के पीड़ित व्यापारियों की पीड़ा सुनने के लिए श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर 21 फरवरी को प्रतिनिधिमंडल जाना था मगर पुलिस ने लखनऊ से लेकर वाराणसी तक सपा नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया।

प्रतिनिधिमंडल में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष श्री लाल बिहारी यादव तथा कुछ अन्य नेताओं को लखनऊ में हाउस अरेस्ट कर लिया गया जबकि वाराणसी में भी यह सिलसिला बड़े पैमाने पर चला। सरकार की मंशा यही रही कि व्यापारी अपनी पीड़ा किसी से साझा न कर सकें और यह मुद्दा न बन सके।

कमजोर वर्ग की महिलाओं में भी अपार क्षमता

- डिंपल

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव का मानना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद साहस, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने वाली महिलाएं समाज की असली ताकत हैं। उन्होंने कहा कि कमजोर वर्ग की महिलाओं में भी अपार क्षमता है और यदि उन्हें उचित अवसर और सहयोग मिले तो वे समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरुकता को बढ़ावा देने की दिशा में लगन उद्यमी महिला फाउंडेशन की ओर से लोलई गांव में आयोजित महिला सम्मान एवं होली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए श्रीमती डिंपल यादव ने महिलाओं की हौसला अफज़ाई की।

बतौर मुख्य अतिथि इस कार्यक्रम में शामिल हुईं श्रीमती डिंपल यादव ने लोलई और मल्हौर क्षेत्र की महिलाओं से संवाद करते हुए उनका खूब उत्साहवर्धन किया। श्रीमती यादव ने इस सराहनीय पहल के लिए लगन उद्यमी महिला फाउंडेशन की पूरी टीम को बधाई भी दी।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्ग की उन महिलाओं को सम्मानित करना था, जो छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनते हुए अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं। कार्यक्रम का आयोजन फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा सिंह के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती प्रतिभा सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य अधिक से अधिक महिलाओं को रोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने झांसी की रानी के साहस और संघर्ष का उदाहरण देते हुए महिलाओं को आत्मविश्वास और हौसले

के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉक्टरों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित चिकित्सकों में डॉ. शेली महाजन, डॉ. अमित रंजन, डॉ. नेहा साहू, डॉ. ज्योति, डॉ. गुंजन तथा डॉ. हर्षा महान का नाम प्रमुख रहा।

महिला सम्मान श्रेणी के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहू, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा सामाजिक, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय और योग जैसे क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। ये सभी सिलाई, पार्लर, सब्जी व अन्य वस्तुओं की दुकाने जैसे लघु उद्योग में योगदान दे रही हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. निर्मला पंत (निदेशक, लखनऊ कैंसर संस्थान), अमिता कन्नौजिया, डॉ. ज्योति और मीरा पुरवार उपस्थित रहीं। इनके अलावा उर्वशी आहूजा, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान की निमिषा सोनकर, पंकज जायसवाल, डॉ. प्रियंका यादव और अमित कुमार सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जोहरी ने किया।

सम्मान समारोह के बाद आयोजित होली मिलन में सभी ने आपसी भाईचारे और उत्साह के साथ एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं।

महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण बदलने की जरूरत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि स्त्रियों के प्रति आमूलचूल दृष्टिकोण को बदलने की आवश्यकता है। सरकार और समाज को महिलाओं के उत्थान के लिए हमेशा काम करते रहना चाहिए। महिलाएं जितनी प्रगतिशील होंगी समाज उतना ही प्रोग्रेसिव माना जाएगा। भारत में पौराणिक काल से महिलाओं, बेटियों को सम्मान किया जाता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश में महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। महिलाओं के साथ बड़े पैमाने पर अपराध की घटनाएं हो रही हैं। भाजपा सरकार महिलाओं की सुरक्षा करने में फेल है। सरकार महिलाओं को सम्मान और रोजगार उपलब्ध कराने में विफल है।

श्री यादव ने कहा कि लखनऊ और यूपी पुलिस महिलाओं से जुड़े आंकड़ों के मैनुपुलेशन में बहुत आगे है। सच्चे आंकड़े छिपाती है, अगर एनसीआरबी के आंकड़ों को देखा जाए तो देश में सबसे ज्यादा असुरक्षित महिलाएं उत्तर प्रदेश में हैं। भाजपा सरकार में पिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, महिलाओं के साथ ज्यादा अन्याय, अत्याचार हो रहा है। यह घोर पाप है।

भाजपा राज में विदेशी तय कर रहे भारत की विदेश नीति

-अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध पर भाजपा सरकार की चुप्पी को लेकर देश में सवाल खड़े हो गए हैं। भाजपा सरकार की विदेश नीति किसी की समझ में नहीं आ रही है और देश हैरान है। ईरान में अमेरिका-इज़राइल के हमले में बड़ी संख्या में स्कूली छात्राओं की मौत पर भी भाजपा सरकार की चुप्पी सवालों के घेरे में है।

देश जानना चाहता है कि आखिर भाजपा सरकार को अमेरिका के खिलाफ बोलने से हिचकिचाहट क्यों है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भाजपा सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल पूछ रहे हैं मगर भाजपा सरकार की ओर से अब तक देश के सामने जवाब नहीं देना कई तरह के संदेह पैदा कर रहा है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि हमारी विदेश नीति पहली बार विदेशी तय कर रहे हैं। भाजपा ने हमारी परंपरागत 'गुट निरपेक्षता' की विदेश

नीति की जगह 'गुट सापेक्षता' की विदेशी नीति अपनाकर संप्रभुता और आत्मनिर्भरता की नीति को पराये हाथों में सौंप दिया है। भाजपा सरकार में भारत की विदेश नीति भी विदेश तय कर रहा है। लगता है सरकार कोई गिरवी गारन्टी योजना चला रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अमेरिकी-इज़राइली हमलों का हमारी सरहदों के करीब, हिंद महासागर तक पहुंचना देशवासियों के लिए चिंता का विषय है। खासकर इन अर्थों में बेहद चिंतनीय भी कि इस गंभीर विषय पर भाजपा सरकार ने अभूतपूर्व चुप्पी साध रखी है।

उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि इसे 'चुप्पी' माना जाए या किसी विशेष भय के कारण इसे 'घिग्घी बंधना' माना जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है कि उनके होंठ किसी ने सिल दिए हैं। जनता पूछ रही है कि आपका कौन सा पत्ता दबा है?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दा होने के नाते ये देश की सरकार, विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय का संयुक्त दायित्व बनता है कि उसे अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए परंतु कई दिनों की प्रतीक्षा के बाद भी सरकार द्वारा मुंह न खोलने पर, इस वैश्विक मुद्दे पर विपक्ष को मजबूर होकर बोलना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि संकटकाल में सरकार आगे आए और देश की जल, थल, वायु सीमाओं की रक्षा सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि जो भाजपा सरकार कुछ कह भी नहीं रही है; वो करेगी क्या, ये सोचकर देशवासी परेशान हैं। भाजपा ने जनता का विश्वास खो दिया है। ऐसा लग रहा है कि देश में सरकार नाम की कोई चीज़ ही नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अपनी नाकामियों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए अस्पष्ट नीति अपनाने का तरीक़ा ढूंढ रही है, जिससे लोग अटकलों में ही उलझे रहें।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ईरान के प्रमुख अयातुल्ला खामेनेई की हमले में हुई मौत और मीनाब के एक स्कूल पर हुए सबसे घातक इज़रायली-अमेरिकी हमलों में से एक, जिसमें 165 छात्राएं मारी गईं, दोनों की कड़ी निंदा करती है। जिनेवा कन्वेंशन और अंतर्राष्ट्रीय कानून, जो संघर्ष के समय में भी मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए हैं, ऐसे कृत्यों से गंभीर रूप से खतरे में हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम उनकी शहादत को नमन करते हैं और इस क्षति से दुखी, शोक संतप्त सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। इंसान के साथ इंसानियत का मारा जाना बेहद अफ़सोसनाक है। हर देश को ज़िम्मेदाराना व्यवहार करना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि किसी देश के सबसे ख़ास से लेकर आम नागरिकों तक पर हो रहे जानलेवा हमलों व जंग के इन हालातों में हमारे देश की सरकार, इस अंतरराष्ट्रीय विषय पर अपना रुख़ साफ़ करे और बताए कि वह जंग के साथ है या अमन के और युद्ध को रोकने व शांति की बहाली के लिए एक तटस्थ देश होने के नाते क्या कूटनीतिक प्रयास कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे देश की सरकार, हर संभव स्तर पर, युद्ध में मारे जानेवालों से जुड़ी ख़बरों की पुष्टि करे और सच क्या है ये जनता के सामने रखे। युद्धकालीन समाचार अक्सर रणनीति का हिस्सा होते हैं इसीलिए उनकी पुष्टि की ज़रूरत होती है।

उन्होंने कहा कि हमारी विदेश नीति पहली बार विदेशी तय कर रहे हैं। भाजपा ने हमारी परंपरागत 'गुट निरपेक्षता' की विदेश नीति की जगह 'गुट सापेक्षता' की विदेशी नीति अपनाकर संप्रभुता और आत्मनिर्भरता की नीति को पराये हाथों में सौंप दिया है। भाजपा सरकार में भारत की विदेश नीति भी विदेश तय कर रहा है। लगता है सरकार कोई गिरवी गारन्टी योजना चला रही है।

ट्रेड डील

अमेरिका के सामने मोदी सरकार का सरेंडर

प्रेम कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका के साथ जिस ट्रेड डील का एलान डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी के पहले हफ्ते में किया था और संसद सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर सदन में एलान नहीं कर सके थे, क्या उसे ट्रेड डील कहा जा सकता है?

अब तक इस डील पर हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। यह आज भी फ्रेमवर्क ही है। भारत और अमेरिका के दरम्यान ट्रेड का यह फ्रेमवर्क या फिर डील वास्तव में एकतरफा है। इसे अमेरिका के सामने भारत का सरेंडर भी कहें तो गलत कतई नहीं होगा।

यह द्विपक्षीय समझौतों में एक पक्ष के सम्मान, अधिकार और संप्रभु निर्णय का त्याग है। इसे 'त्याग' न होकर 'छिनतई' भी कह सकते हैं।

अमेरिका ने वास्तव में भारत से इस पर अमल कराना शुरू कर दिया है। युद्ध के दौरान 30 दिन की मोहलत के बीच भारत को रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदने की पाबंदी और अमेरिका से कच्चा तेल खरीदने की शर्त इसका ज्वलंत और ताजा उदाहरण है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि एक संप्रभु देश कैसे इस कदर मजबूर हो सकता है कि तमाम नाजायज शर्तों को डील मानकर स्वीकार कर ले? सवाल है कि यहां तक कि मोदी कैबिनेट में भी इस डील को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। जो डील एक साल से रुकी हुई थी वह अचानक डोनाल्ड ट्रंप के एक फोन पर फाइनल कैसे हो गई?

दरअसल, भारत की संप्रभुता डोनाल्ड ट्रंप के लिए मायने नहीं रखती। इसका उदाहरण रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदने की शर्त में 30 दिन की मोहलत है। भारत को अमेरिका मोहलत दे रहा है। यह भारतीय संप्रभुता पर हमले का प्रमाण है। समूचा विपक्ष संसद भवन के सामने या भीतर भी जो तेवर दिखा रहे हैं वह इसी संप्रभुता की रक्षा की लड़ाई है।

हकीकत में यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में घुटने टेकने की एक और मिसाल है। ट्रंप ने भारत पर 50% टैरिफ थोप दिए थे, और अब इस फ्रेमवर्क के जरिए भारत को 500 अरब डॉलर (करीब 520 अरब डॉलर के बराबर, अगर मुद्रा उतार-चढ़ाव को जोड़ें) के अमेरिकी सामान खरीदने का वादा करना पड़ा है।

सवाल यह है कि क्या इस डील या फ्रेमवर्क से भारत अपना हित असुरक्षित नहीं कर रहा है? भारतीय कृषि बाजार का अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए खुलना – यह सब मिलकर देश के किसानों और अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाने वाला है।

ट्रंप के दबाव में झुकना: एक राजनीतिक आत्मसमर्पण

ट्रंप ने 2025 से ही भारत पर हमले तेज कर दिए थे। पहले 25% रेसिप्रोकल टैरिफ, फिर रूसी तेल खरीद पर अतिरिक्त 25% पेनल्टी – कुल 50% टैरिफ ने भारतीय निर्यातकों की कमर तोड़ दी। ट्रंप ने खुले तौर पर कहा कि मोदी "मेरे सामने झुक गए"। मोदी सरकार, जो खुद को "मजबूत नेता" की छवि में पेश करती है, ने इस पर चुप्पी साध ली। क्यों?

2022 से रूसी तेल भारत की ऊर्जा जरूरतों का 30-35% हिस्सा बन चुका था, जो सस्ता और विश्वसनीय था। लेकिन अब भारत को अमेरिकी और वेनेजुएला के महंगे तेल पर निर्भर होना पड़ेगा, जो आयात बिल को 20-30% बढ़ा सकता है। इससे महंगाई बढ़ेगी, और अंततः आम आदमी की जेब पर बोझ पड़ेगा।

मोदी सरकार ने रूसी तेल को "राष्ट्रीय हित" बताते हुए इसका बचाव किया था लेकिन ट्रंप की एक धमकी पर सब ताक पर रख दिया। यह नीति की असंगति नहीं, बल्कि विदेश नीति में कमजोरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारत की सामरिक स्वायत्तता कमजोर होगी, और रूस जैसे पुराने सहयोगी से रिश्ते बिगड़ेंगे।

रूस ने अमेरिका-इजराइल के साथ ईरान पर हुए हमले के बीच यह एलान किया है कि वह सारे देश जो ईरान के खिलाफ हैं उन्हें ऊर्जा की सप्लाई पर वह रोक लगाने जा रहा है। भारत को रूस पहले की तरह तेल की आपूर्ति सस्ते दामों में करेगा, इस पर संदेह है। ईरान से कभी रुपये में तेल लेने की सुविधा हो या फिर रूस से- ये सुविधाएं अब खत्म हुईं मानकर चलना चाहिए।

जियो पॉलिटिक्स में भारत ने एक संतुलनकारी व्यवहार बदल लिया है, इसका खामियाजा देश को भुगतना पड़ेगा। अमेरिका से इसकी कोई भरपाई होगी इसकी उम्मीद छोड़ देनी चाहिए। इसके बजाय अमेरिका भारत को महंगा तेल देने की परिस्थितियां बना रहा है और इसमें सफल हो चुका है।

रेसिप्रोकल टैरिफ का ढोंग: भारत ने क्या पाया, क्या खोया?

फ्रेमवर्क में अमेरिका ने भारतीय सामानों पर टैरिफ 50% से घटाकर 18% कर दिया, लेकिन बदले में भारत को अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम या खत्म करने पड़ेंगे। ट्रंप इसे "रेसिप्रोकल" यानी पारस्परिक बता रहे हैं, लेकिन हकीकत क्या है?

भारत अमेरिका पर कोई टैरिफ लगाएगा ही नहीं – हम पहले से ही उनके उत्पादों पर कम टैरिफ रखते हैं। तो यह रेसिप्रोकल कहां है? यह तो एकतरफा सौदा है, जहां अमेरिका भारत के बाजार को लूटेगा, और हम उनके सामान की बाढ़ में डूबेंगे।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत को अगले 5 साल में अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान आयात करना होगा – ऊर्जा, विमान, तकनीक, कोकिंग कोल आदि। लेकिन अमेरिका भारत से कितना आयात करेगा? इस पर पूरी खामोशी है। फ्रेमवर्क में कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं।

अगर अमेरिका भारत से अधिक आयात नहीं करता, तो व्यापार घाटा और बढ़ेगा, जो पहले से ही 35 अरब डॉलर का है। इससे भारतीय मुद्रा कमजोर होगी, और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ेगा। साफ है कि मोदी सरकार की "आत्मनिर्भर भारत" की बातें सिर्फ जुमले हैं; हकीकत में वे विदेशी दबाव में झुक जाते हैं।

कृषि बाजार का खुलना: किसानों के लिए मौत का फरमान

इस फ्रेमवर्क का सबसे खतरनाक पहलू भारतीय कृषि का वैश्विक बाजार के लिए खुलना है। पहली बार, भारत का कृषि क्षेत्र पूरी तरह अमेरिकी उत्पादों के लिए खुल जाएगा।

टैरिफ में भारी कटौती से अमेरिकी उत्पाद सस्ते होकर भारतीय बाजार में घुसेंगे, जो हमारे किसानों की कमर तोड़ देगी। पहले से ही MSP और मंडी सिस्टम पर संकट है, अब सस्ते आयात से किसान दिवालिया हो जाएंगे।

डील नहीं ढील

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस डील पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे "डील नहीं, ढील" करार दिया है। श्री यादव ने चेतावनी दी कि अमेरिकी डेयरी और कृषि उत्पादों के आयात से सनातनियों को अपने व्रत-उपवास में परेशानी होगी, और यह देश की 70% कृषि-निर्भर जनता के साथ "विश्वासघात" है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए पूछा कि "स्वदेशी" का नारा देने वाले भाजपा के सहयोगी कहां हैं?

सौहार्द के रंग
होली और रमजान संग-संग

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इस साल मार्च के महीने में रंगों के त्योहार होली एवं रमजान के पाक महीने में बराबर की सहभागिता कर यह संदेश दे दिया कि उनके लिए सभी धर्म, समुदाय, संप्रदाय एक हैं और वह इंसानियत के पैरोकार हैं।

उनका साफ संदेश है कि त्योहार का मतलब ही है कि सब मिलजुकर एक साथ खुशियां मनाएं। भारतीय संस्कृति की यही खूबी भी है कि जहां हम सब सभी के त्योहारों में शरीक होते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने जहां परिवार, कार्यकर्ताओं संग अबीर गुलाल उड़ाए, फूलों की होली खेली तो रमजान में रोजेदारों के बीच जाकर इफ्तार कर उनका सम्मान किया। श्री यादव रोजा इफ्तार पार्टी में शामिल होने के लिए प्रयागराज, लखनऊ आदि जिलों में पहुंचे।

सैफई में समाजवादी परिवार के बीच होली मनाते हुए श्री अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि 2027 में समाजवादी सरकार बनेगी क्योंकि 2012 में होली के बाद ही सरकार बनी थी। तब, और भव्य होली मनाई जाएगी, इस ऐलान के बाद कार्यकर्ताओं ने रंगों के बीच श्री अखिलेश यादव के वक्तव्य का समवेत स्वर से समर्थन किया।

4 मार्च को होली पर पूरा समाजवादी परिवार सैफई में एक साथ जुटा। अबीर-गुलाल, फूलों की होली खेली। श्री अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं के बीच बैठे और उनसे खूब बातें कीं और कहा कि आप ही असली ताकत हैं।

होली मनाने के दौरान उत्साह, उमंग के बीच श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सैफई की धरती ने समाजवादी आंदोलन को हमेशा ही दिशा दी है। इसी धरती से फिर बदलाव की लहर उठेगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष तेज करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के त्योहार हमें

अच्छाई का रास्ता दिखाते हैं। अच्छाई और अन्याय के खिलाफ जो हुआ है, उसे याद करके एक दूसरे को बधाई दें। होली पर्व पर आल्हा गायन भी हुआ। नेताजी की परंपरा को कायम रखते हुए भाईचारा, सौहार्द को और मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

होली के बाद श्री अखिलेश यादव ने माह-ए-रमजान में कई इफ्तार पार्टी में शिरकत कर सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारा की मिसाल कायम की। उन्होंने रोजेदारों का हौसला बढ़ाया और रोजे के बाद आने वाली ईद की बधाइयां दीं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ये हमारे हिंदुस्तानियत की पहचान है कि हम एक दूसरे के त्योहार में शामिल होते हैं। हमारी संस्कृति एक दूसरे से मिलीजुली है, इस तरह के कार्यक्रम हम सबको मिलने का मौका देते हैं।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों व पदाधिकारियों ने भी रोजा इफ्तार पार्टी और होली मिलन समारोह में शरीक होकर भाईचारा का संदेश दिया। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री शाहिद मंजूर ने लखनऊ में अपने लॉप्लास स्थित आवास पर रोजा इफ्तार एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया जिसमें श्री अखिलेश यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री महबूब अली, श्री इकबाल महबूब, श्री कमाल अख्तर, श्री रविदास मेहरोत्रा, विधायक संग्राम यादव, पंकज मलिक, पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, सांसद जावेद अली खान, पूर्व सांसद श्री अरविन्द कुमार सिंह, विधायक फहीम इरफान, विधायक नसीम सोलंकी, एमएलसी जासमीर अंसारी, अनिल प्रधान,

रफीक अंसरी, पंकज पटेल, हसन रूमी, पूर्व विधायक इरफान सोलंकी, उदयवीर सिंह, जावेद आब्दी, सलामतुल्ला, बब्बू खां आदि के अलावा ईदगाह के इमाम श्री खालिद रशीद फंरगी महली, मौलाना यासूब अब्बास, मौलाना फजलुर्रहमान समेत बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग और रोजेदार शामिल हुए।

लखनऊ में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय कैसरबाग में रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कन्नौज स्थित तिर्वा विधान सभा में होली मिलन समारोह हुआ। समारोह में नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने जनता से भाजपा सरकार को पदच्युत कर श्री अखिलेश यादव को फिर मुख्यमंत्री बनाने की अपील की।

समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इक़बाल कादरी द्वारा रोजा इफ्तार पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के साथ राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी शामिल हुए। विधायक रविदास मेहरोत्रा सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए।

कन्नौज नगर स्थित सपा जिला कार्यालय में प्रदेश महासचिव अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ शशिमा सिंह दोहरे के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। बरेली जनपद के आंवला में समाजवादी पार्टी के नेता श्री पीयूष वर्मा ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया जिसमें फूलों की होली खेली गई। बतौर मुख्य अतिथि आंवला सांसद नीरज मौर्य उपस्थित रहे। देवरिया जनपद में समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय सचिव श्री प्रियांशु राज यादव ने विधानसभा पथरदेवा के पकहां में उनके पैतृक आवास पर रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। सिद्धार्थ नगर समाजवादी पार्टी डुमरियागंज जनसंपर्क कार्यालय पर डुमरियागंज की विधायक सैय्यदा खातून के द्वारा आयोजित माह ए रमजान के मुबारक मौके पर रोजा इफ्तार पार्टी हुई।

अखिलेश को मिला शंकराचार्य का आशीर्वाद

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 12 मार्च को राजधानी लखनऊ में ज्योतिर्मठ बद्रिकाश्रम के शंकराचार्य पूज्य श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी से मुलाकात की।

एक घंटे तक चली इस मुलाकात में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई और श्री अखिलेश यादव को पूज्य शंकराचार्य ने आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर शंकराचार्य जी ने श्री अखिलेश यादव के उज्ज्वल भविष्य व सफलता की कामना की।

श्री अखिलेश यादव के साथ सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी व पूर्व सांसद अनु टंडन भी मौजूद रहीं।

शंकराचार्य से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वे शंकराचार्य जी से आशीर्वाद और ज्ञान लेने पहुंचे थे। उनसे कुछ सीखने और कुछ जानकारी लेने आए थे। उन्होंने कहा कि जिनके ध्यान मात्र से आशीर्वाद मिलता है उनका साक्षात् दर्शन पाना सौभाग्य है। सच्चे संत का सम्मान ही सनातन का सम्मान है।

उन्होंने कहा कि कोई भी शुभ कार्य और आगे बढ़ने का काम शुरू करने से पहले पूज्य साधु-संतों का आशीर्वाद मिल जाए तो उससे अच्छी कोई बात नहीं है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पूज्यनीय शंकराचार्य जी का आशीर्वाद मिलने से नकली संतों का अंत हो जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि हर व्यक्ति में अच्छा करने की इच्छा होती है। उसके लिए पाप-पुण्य और अच्छा-बुरा के बीच लड़ाई चलती रहती है। आज हम सबके अंदर लड़ने के लिए सुदर्शन चक्र होना चाहिए जिससे जो पाप फैला हुआ है उसे हम सब मिलकर हटाएं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के दौरान हम लोगों ने गाय की सेवा को लेकर कई फैसले लिए थे। गाय की सेवा के लिए आगे भी जो कुछ कर सकते हैं, वह करेंगे। समाजवादी सरकार में हमने कन्नौज में यूपी का पहला काऊ मिल्क प्लांट लगवाया था। वहां बनने वाली चीजें देशी गाय के दूध की होतीं, जिससे गाय की सेवा के साथ ही लोगों के बीच सम्पन्नता भी आती।

फार्म ४

(नियम ८ देखिए)

१	प्रकाशन का स्थान -	समाजवादी बुलेटिन, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ
२	प्रकाशन अवधि-	मासिक
३	मुद्रक का नाम-	प्रो. रामगोपाल यादव, सदस्य राज्यसभा
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
४	प्रकाशक-	प्रो. रामगोपाल यादव
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
५	संपादक-	प्रो. रामगोपाल यादव
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
६	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के 1% से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	समाजवादी पार्टी, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ

मैं प्रो. रामगोपाल यादव एतदद्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक- 1 मार्च 2026

प्रकाशक के हस्ताक्षर
प्रो. रामगोपाल यादव

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India | President @samajwadiparty | Member of Parliament, Kannauj | Former Chief Minister, Uttar Pradesh

Lucknow, India · samajwadiparty.in · Joined July 2009

Akhilesh Yadav @yadav... · 07 Mar
जब जाएंगे भाजपाई
तभी घटेगी महंगाई!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

जहाँ रहते मुखिया, वहीं के लोग दुखिया!

ये तो उप्र की राजधानी लखनऊ के विकास नगर का हाल है, जहाँ सिलेंडर की लंबी क़तार लगी है। बाक़ी प्रदेश में तो क्या दुर्गति हो रही होगी, वो तो सब समझ ही सकते हैं। अब क्या ये भी अफ़वाह है।

जनता इस बार भाजपा के झूठ का चूल्हा ही बुझा देगी।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

कुछ तो हुआ है संगी-साथियों के दरमियान
तलवार के ही ख़िलाफ़ हो गई उसकी म्यान

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

LPG = ला-पता गैस

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 3d
गैस की लाइन में लगे एक बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मृत्यु होना बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण समाचार है। श्रद्धांजलि!

भाजपाई सच को स्वीकार करें और सुनिश्चित करें कि भाजपा सरकार की गलतियां अब लोगों की जान भी ले रही हैं। ये तो हद हो गयी है। भाजपा किसी का परिवार न उजाड़े।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

दम है बाराती-घराती के इस बड़े सवाल में
अब क्या शादी निपटायी जाएंगी सलाद में

बिन सिलेंडर सब सून...

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

जो सब कुछ लाने का दावा करते हैं... वो 'राम-रसोई' को चलाने के लिए सिलेंडर नहीं ला सकते क्या?

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

भाजपाई कह रहे हैं कोई कमी-किल्लत नहीं है, ये जो वीडियो है वो AI से बनाया गया है।

झूठ के सैकड़ों सिलेंडर खाली हुए होंगे तब एक भाजपाई...

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

गोब्राह्मणेभ्यः शुभमस्तु नित्यं ।
लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु ।।

सनातन का सम्मान और पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य जी का सम्मान समानार्थी है।

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

ऐसा कर्म क्यों करता वो कि सबसे आँख चुराता है
आते समय लगाया था, अब जाते समय लगाया है
यूपीवाले पूछ रहे काला चश्मा इतना क्यों भाया है

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

परेशान माँ की नहीं तो बिलखते बच्चे की पुकार ही शायद भाजपाइयों के ज़मीर को जगाए!

आक्रोशित जनता समझ ही नहीं पा रही है कि सिलेंडर की लाइन में सरेआम लगे लोगों की दिक़्क़त-परेशानी देखकर भी भाजपाई इतनी बेशर्मी से झूठ कैसे बोल पाते हैं कि गैस की कोई कमी नहीं है। अब तो भूख से तड़पते परिवारवाले कह रहे हैं कि अब ये नहीं कहना चाहिए कि निर्दयी-निर्मम भाजपाइयों के दिल पत्थर के हैं बल्कि ये कहना चाहिए कि भाजपाइयों के दिल ही नहीं हैं।

ऐसी सच्ची पत्रकारिता से बड़े चैनल प्रेरणा लें।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 3d

लोग कह रहे हैं कि जब खाली सिलेंडर 'स्टूल' बन गया है तो उप्र के अगले मंत्रीमंडल विस्तार में भाजपा अपने सभी विधायकों को 'डिप्टी सीएम' क्यों ना बना दे।

लकड़ी का स्टूल तो शायद भाजपा के भ्रष्टाचारियों का बोझ न उठा पाए, शायद ये लोहे वाला स्टूल उठा ले।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

जब-जब 'अधर्मियों' के हाथों में सत्ता जाएगी
सच्चे धर्म की हानि होगी 'जनता' दुख पाएगी
तब-तब जन-सुदर्शन उठाने की बारी आएगी

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

With Mr. Riteish Deshmukh, a true representative of Creativity Economy: An actor, director & producer at VISION INDIA : CREATIVE ECONOMY SUMMIT @ Mumbai

@Riteishd

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

जंग में जब भी उड़ने लगती है बारूद की बू
तब मिटती है इंसानियत के इत्र की ख़ुशबू

परेशानी — ऊद, अंबर और कस्तूरी के खुशबूदार तेल की सप्लाई प्रभावित

इत्र का निर्यात रुकने से तगड़ी चोट

स्थानीय कारोबारियों की चिंता

कारोबार में भारी गिरावट

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Akhilesh Yadav @yadav... · 08 Mar

स्त्रियों के प्रति आमूलचूल दृष्टिकोण को बदलने की आवश्यकता है। इसीलिए हमने कहा है 'फसल बदलनी है तो बीज बदलने होंगे!'

आज़ाद हवा की शुभकामनाओं के साथ 'महिला दिवस' की हार्दिक बधाई!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

इफ़्तार भी, सौहार्द गुलज़ार भी!

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 48 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party

भाजपा सरकार की देन :

- पहले आधार की लाइन,
- फिर नोटबंदी की लाइन,
- फिर राशन की लाइन,
- फिर खाद की लाइन,
- फिर केवाईसी की लाइन,
- फिर एसआईआर की लाइन,
- और अब ये गैस की लाइन...

भाजपा से त्रस्त परिवारवाले, भूख से तड़पते बच्चों को देखकर एक-दूसरे से पूछ रहे हैं :
ये लाइन कभी ख़त्म क्यों नहीं होती मेरे भाई?

भाजपा जाए तो चैन आए!

साभार: X@yadavakhilesh